संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 260
पृष्ठ 8
गुरूवार
12 जून 2025
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- बालों की सुंदरता के लिए गर्मियों में लगाएं...
विचार- बेवफाई के सनम
खेल- इंग्लैंड के खिलाफ जसप्रीत बुमराह...

3 राज्य के 7 जिलों को मोदी सरकार की बड़ी सौगात

रेलवे की 6,405 करोड़ की दो परियोजनाओं को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि पीएम मोदी के ऐतिहासिक तीसरे कार्यकाल के दौरान, परिवहन और रसद लागत को कम करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। आईआईएम बैंगलोर और आईआईएम कलकत्ता के हालिया अध्ययन से पता चलता है कि परिवहन में निवेश से देश की रसद लागत में लगभग 4 प्रतिशत की कमी आई है। रसद लागत में हर प्रतिशत की कमी का मतलब है कि बहुत अधिक प्रतिस्पर्धी उद्योग होंगे। हम अधिक निर्यात कर सकते हैं। हम उत्पादन लागत कम रख सकते हैं... पिछले 1 साल में परिवहन परियोजनाओं के लिए लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी गई है। यह विकसित भारत के हमारे लक्ष्य को प्राप्त करने में हमारी बड़ी भूमिका निभाएगा। कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में भारतीय रेलवे की बल्लारी-चिकजाजुर मल्टीट्रैकिंग परियोजना पर केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह दोहरीकरण परियोजना 185 किलोमीटर तक फैली है और इसकी लागत 3,342 करोड़ रुपये है। यह मंगलौर बंदरगाह के साथ आंतरिक इलाकों को कुशलतापूर्वक जोड़ेगी। हम मंगलौर की रेलवे कनेक्टिविटी में सुधार के लिए एक मास्टर प्लान बना रहे हैं... यह 29 प्रमुख पुलों वाली एक जटिल परियोजना है... इससे लगभग 13 लाख की आबादी को लाभ होगा... यह लगभग 19 मिलियन टन अतिरिक्त माल की ढुलाई की सुविधा प्रदान कर सकती है, जो हमारे पर्यावरण के लिए अभूतपूर्व रूप से मददगार होगी। यह 101 करोड़ कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन को रोकेगा, जो चार करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। इससे हमें देश के 20 करोड़ लीटर डीजल को सालाना बचाने में भी मदद मिलेगी... यह परियोजना कर्नाटक-आंध्र प्रदेश की सीमा पर बल्लारी क्षेत्र में है। रेलवे लाइन की बढ़ी हुई क्षमता परिवहन को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएगी, जिससे भारतीय रेलवे की परिचालन दक्षता और सेवा विश्वसनीयता बेहतर होगी। ये मल्टी-ट्रैकिंग प्रस्ताव रेलवे परिचालन को सुव्यवस्थित करने और भीड़भाड़ को कम करने के लिए तैयार किए गए हैं। सरकार ने कहा कि ये परियोजनाएं प्रधानमंत्री मोदी के नए भारत के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं, जो स्थानीय लोगों को व्यापक विकास के जरिये 'आत्मनिर्भर' बनाएगी और उनके लिए रोजगार एवं स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। परियोजनाएं बहु-आयामी संपर्क के लिए पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो एकीकृत योजना के माध्यम से संभव हुआ है। इससे लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिए निर्बाध संपर्क सुविधा मिलेगी। मंत्रालय ने कहा, "झारखंड, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश राज्यों के सात जिलों को समाहित करने वाली दो परियोजनाएं भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क को लगभग 318 किलोमीटर तक बढ़ा देंगी।" मंत्रालय ने कहा कि ये परियोजनाएं देश की लॉजिस्टिक लागत को कम करने, तेल आयात में 52 करोड़ लीटर की कमी लाने और कार्बन डाई ऑक्साइड उत्सर्जन में 264 करोड़ किलोग्राम की कटौती करने में मदद करेंगी, जो 11 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है।

किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा

खड़गे का मोदी पर निशाना

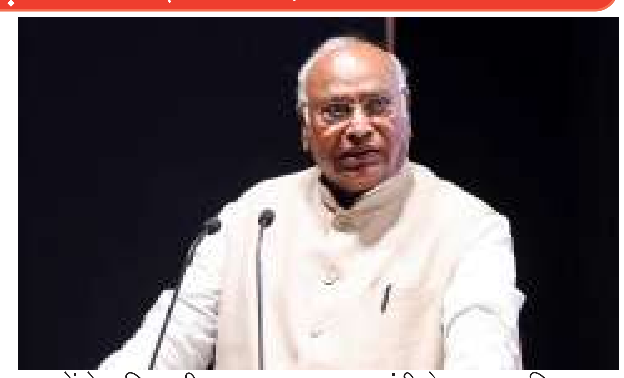

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बुधवार को प्रधानमंत्री पर इस अवधि के दौरान 33 गलतियां करने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने कभी ऐसा प्रधानमंत्री नहीं देखा जो इतना झूठ बोलता हो और लोगों को फंसाता हो तथा युवाओं को धोखा देता हो। खड़गे ने कहा कि मैं पिछले 65 सालों से राजनीति में हूं, लेकिन मैंने कभी किसी प्रधानमंत्री को इतना झूठ बोलते और लोगों को धोखा देते नहीं देखा। वह हर चीज के बारे में झूठ बोलते हैं... उन्होंने कभी अपनी गलती नहीं मानी और इस बात के लिए माफी नहीं मांगी कि मैंने इतना झूठ बोला। मोदी पर वार करते हुए खड़गे ने आगे कहा कि उन्होंने पिछली सरकार (उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल परियोजना में) के योगदान के बारे में कुछ नहीं कहा। जब मैं रेल मंत्री था, तो मैंने वहां और पूर्वोत्तर को सबसे ज्यादा फंड दिया। हमने जो कुछ भी किया, उन्होंने (पीएम मोदी) उसे आगे बढ़ाया और उसका उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मोदी हमेशा लोकतंत्र-लोकतंत्र कहते हैं। आजादी के बाद किसी प्रधानमंत्री ने उपसभापति का पद खाली नहीं रखा, लेकिन उन्होंने उस पद को खाली रखा है... मोदी का यह कृत्य गैरकानूनी है, अलोकतांत्रिक है और वे उपसभापति का एक छोटा सा पद भी नहीं देना चाहते, जिससे पता चलता है कि वे लोकतंत्र में विश्वास नहीं रखते। इसीलिए मैंने उन्हें लिखा है कि संविधान के अनुसार यह दिया जाना चाहिए, लेकिन आपने नहीं दिया।

2015 किनारा रेस्टोरेंट अग्निकांड : 9 साल बाद बॉम्बे एचसी से मिला न्याय, परिजनों को बीएमसी देगा 50-50 लाख रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्तव्यों के निर्वहन में घोर विफलता को उजागर करते हुए बॉम्बे उच्च न्यायालय (एचसी) ने बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) को 2015 में कुर्ला के एक होटल में आग लगने से मरने वाले आठ पीड़ितों के परिजनों को मुआवजे के रूप में 50-50 लाख रुपये का भुगतान करने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने कारवाई करने में बीएमसी की विफलता के कारण, किनारा होटल में अवैधता बेरोकटोक जारी रही और अंततः आग लग गई और जानमाल का नुकसान हुआ। 16 अक्टूबर 2015 को कुर्ला स्थित होटल सिटी किनारा में आग लगने से आठ लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से सात लोग 18-20 वर्ष की आयु के छात्र थे, तथा आठवां पीड़ित विरार का 31 वर्षीय डिजाइन इंजीनियर था। हाईकोर्ट पीड़ितों के माता-पिता द्वारा दायर याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें लोकायुक्त के फरवरी 2017 के आदेश को रद्द करने की मांग की गई थी, जिसमें जांच की मांग करने वाली उनकी शिकायत को खारिज कर दिया गया था। लोकायुक्त ने उनकी याचिकाओं को खारिज करते हुए कहा कि प्रत्येक को एक-एक लाख रुपये का मुआवजा दिया गया है। परिवारों ने मुआवजे की राशि बढ़ाने की मांग की। न्यायमूर्ति बी पी कोलाबावाला और न्यायमूर्ति फिरदौस पूनीवाला की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाला है कि बीएमसी को पता था कि होटल के पास अग्निशमन विभाग से अपेक्षित अनुमति नहीं है, फिर भी उसने होटल के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की। अदालत ने कहा कि अगर बीएमसी ने त्वरित कार्रवाई की होती तो आग लगने की घटना निश्चित रूप से नहीं होती। पीठ ने कहा कि बीएमसी द्वारा लापरवाही और वैधानिक कर्तव्यों का उल्लंघन आग का निकटतम कारण है, और नागरिक निकाय को अपने अधिकारियों के कार्यों और चूक के लिए उत्तरदायी ठहराया जा सकता है। इसने कहा कि आठ लोगों की जान जाने से संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत उनके परिवारों के जीवन के अधिकार का घोर उल्लंघन हुआ है।

जासूस ज्योति मल्होत्रा को अभी जेल में ही रहना होगा, कोर्ट ने खारिज की जमानत अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा की एक अदालत ने बुधवार को सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति मल्होत्रा को जमानत देने से इनकार कर दिया, जिन्हें पिछले महीने जासूसी के संदेह में गिरफ्तार किया गया था। हिसार पुलिस ने 16 मई को जासूसी के संदेह में मल्होत्रा को गिरफ्तार किया था और बाद में अदालत ने उन्हें पांच दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया था। रिमांड पूरा होने के बाद, पुलिस द्वारा उनसे आगे की पूछताछ करने के बाद अदालत ने हिरासत की अवधि चार दिन और बढ़ा दी। 26 मई को अदालत ने उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। मल्होत्रा को न्यू अग्रसेन एक्सटेंशन से गिरफ्तार किया गया और आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम और भारतीय न्याय संहिता के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने दावा किया है कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसियां ध्मल्होत्रा ध्को अपनी संपत्ति के तौर पर विकसित कर रही थीं। पुलिस सूत्रों ने पहले कहा था कि वह नवंबर 2023 से पाकिस्तानी उच्चायोग के कर्मचारी एहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश के संपर्क में थी। भारत ने कथित तौर पर जासूसी में लिप्त होने के कारण 13 मई को दानिश को निष्कासित कर दिया था। हिसार की रहने वाली मल्होत्रा ने एक यूट्यूब चैनल "ट्रैवल विद जो" चलाया। 33 वर्षीय इस प्रभावशाली व्यक्ति के यूट्यूब पर 3771 सब्सक्राइबर और इंस्टाग्राम पर 1321 फॉलोअर्स हैं।

पाकिस्तान पर भड़के राजनाथ सिंह, बताया आतंकवाद की नर्सरी

देहरादून, एजेंसी। भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) द्वारा पाकिस्तान को आतंकवाद निरोधक पैनल का उपाध्यक्ष नियुक्त करने के फैसले पर आपत्ति जताई। सिंह ने कहा कि यह फैसला बिल्ली को दूध की रखवाली करने जैसा है क्योंकि पाकिस्तान का आतंकवादियों को संरक्षण देने और उनका समर्थन करने का इतिहास रहा है। यूएनएससी के फैसले पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए उन्होंने कहा कि आश्चर्य की बात यह है कि आतंकवाद निरोधक पैनल का गठन 9/11 के आतंकी हमलों के बाद किया गया था। पाकिस्तान ने 9/11 के हमलों के मास्टरमाइंड को पनाह दी थी। इसकी भूमि का इस्तेमाल वैश्विक आतंकवादी संगठनों के लिए शरणस्थली के रूप में किया गया है। देहरादून में एक कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि वहां हाफिज सईद और मसूद अजहर जैसे आतंकवादी खुलेआम घूमते हैं और पाकिस्तानी सेना के वरिष्ठ अधिकारी आतंकवादियों के अंतिम संस्कार में शामिल होते हैं। अब उसी देश से आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समुदाय का नेतृत्व करने की उम्मीद की जा रही है... संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की कार्रवाई बिल्ली से दूध की रखवाली करने के लिए कहने जैसी है। पाकिस्तान 2025 में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) की तालिबान प्रतिबंध समिति की अध्यक्षता करेगा और 15 देशों के संयुक्त राष्ट्र निकाय की 1373 आतंकवाद निरोधक समिति के उपाध्यक्ष के रूप में कार्य करेगा। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान ने हमेशा आतंकवादियों को पनाह दी है, उन्हें अपनी धरती पर प्रशिक्षित किया है और उनकी मदद की है। पहलगाम (हमला) तो बस एक उदाहरण है, लेकिन मैं आपको बताना चाहता हूं कि पाकिस्तान द्वारा सहायता प्राप्त आतंकवादियों की सूची बहुत लंबी है। और, पाकिस्तान हमेशा आतंकवाद को सही ठहराने की कोशिश करता है। इसलिए, यह महत्वपूर्ण है कि हम न केवल इन आतंकवादियों को बल्कि उन्हें सहायता देने वाले पूरे आतंकी ढांचे को खत्म करें। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थन करता है और उसकी विदेशी सहायता का एक बड़ा हिस्सा इस समर्थन को वित्तपोषित करने में इस्तेमाल किया जाता है। सिंह ने कहा, श्पाकिस्तान को वित्तपोषित करने का मतलब है आतंकवाद के बुनियादी ढांचे को वित्तपोषित करना। पाकिस्तान आतंकवाद की नर्सरी है। इसे पोषित नहीं किया जाना चाहिए। उन्होंने अन्य देशों से पाकिस्तान को धन देना बंद करने का आग्रह किया।

भारत की बात पहले दुनिया गंभीरता से सुनती थी : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि पहले भारत की अपनी विदेश नीति रही है और हमारी बात दुनिया गंभीरता से सुनती थी लेकिन आज हालात यह है कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर दुनिया इस घटना की आलोचना तो करती है लेकिन कोई भारत के साथ खड़ा नहीं हुआ है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता तथा छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने बुधवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल से लेकर डॉ मनमोहन सिंह के कार्यकाल तक इस नीति में कभी कोई परिवर्तन नहीं आया, जिसके कारण पूरी दुनिया के लोग भारत की आवाज को गंभीरता से सुनते भी थे और जुड़ते भी थे। उन्होंने कहा कि आज हालात एकदम बदल गये हैं। हालात यह है कि पहलगाम आतंकवादी हमला हुआ है। इस आतंकवादी घटना की पूरी दुनिया ने आलोचना तो की है लेकिन इस घटना को लेकर कोई देश हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ। ऊपर से भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने आधे घंटे पहले ट्वीट कर कह दिया था "मैंने सीजफायर करवा दिया है।"

वंचित समुदाय के बच्चों की शिक्षा को लेकर राहुल ने मोदी को लिखा पत्र

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर वंचित वर्ग के बच्चों की शिक्षा को निर्बाधरूप से जारी रखने के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की है। श्री गांधी ने 10 जून को श्री मोदी को लिखे पत्र में कहा कि वंचित समुदायों के 90 प्रतिशत छात्रों के लिए

शिक्षा के अवसर में बाधाएं आ रही हैं और ये बच्चे निर्बाधरूप से अपनी शिक्षा हासिल नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने दलित, आदिवासी, आर्थिकरूप से कमजोर तथा पिछड़ा वर्गों और अल्पसंख्यक समुदायों के छात्रों के लिए आवासीय छात्रावासों की बहुत खराब स्थिति को वर्गों के छात्रों की शिक्षा में बाधक बताया है। हाल की अपनी बिहार यात्रा के दौरान दरभंगा के अम्बेडकर छात्रावास का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि वहां छह-सात छात्रों को एक कमरे में ठूंसकर रखा जाता है। छात्रावास में बहुत गंदे शौचालय, असुरक्षित पीने का पानी, भोजन की अव्यवस्था और शैक्षणिक संसाधनों के अभाव जैसे गंभीर हालात हैं। श्री गांधी ने हाशिए पर पड़े समुदायों के छात्रों के लिए पोस्ट-मैट्रिक छात्रवृत्ति देरी से मिलने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार इन वर्गों के बच्चों को सुविधाएं देने में विफल हो रही है। इस समुदायों के छात्रों को मैट्रिक के बाद सही समय पर छात्रवृत्ति नहीं मिल रही है। उन्होंने बिहार का उदाहरण देते हुए कहा कि छात्रवृत्ति पोर्टल तीन साल तक ठप रहा और 2021-22 में किसी भी छात्र को छात्रवृत्ति नहीं मिली। उन्होंने कहा कि देश को यदि प्रगति करनी है तो इसके लिए वंचित वर्ग पर ध्यान देना होगा और यदि वंचित वर्ग का सही विकास हो गया तो देश प्रगति के पथ स्वतरू बढ़ने लगेगा।

दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह के खिलाफ कांग्रेस का बड़ा ऐक्शन, 6 साल के लिए पार्टी से निष्कासित

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने बुधवार को राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह के भाई लक्ष्मण सिंह को राहुल गांधी के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए छह साल के लिए प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया। प्रेस विज्ञप्ति में पार्टी ने कहा कि पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण उन्हें तत्काल प्रभाव से कांग्रेस से निकाल दिया गया है। कांग्रेस की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति के सदस्य सचिव तारिक अनवर ने एक बयान में कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष ने मध्य प्रदेश के पूर्व विधायक लक्ष्मण सिंह को उनकी पार्टी विरोधी गतिविधियों के कारण तत्काल प्रभाव से छह साल की अवधि के लिए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की प्राथमिक सदस्यता से निष्कासित कर दिया है।

हालाँकि, पार्टी ने अपने आधिकारिक बयान में उन पार्टी विरोधी गतिविधियों के बारे में

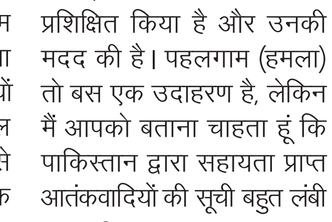

स्पष्ट नहीं किया जिनके लिए लक्ष्मण सिंह को निष्कासित किया गया। यह घटनाक्रम अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की अनुशासन समिति द्वारा पूर्व विधायक और पांच बार सांसद रह चुके सिंह को पार्टी से निष्कासित करने की सिफारिश के बाद सामने आया है।

बीएसएफ के जवानों को गंदगी भरा ट्रेन सेट, चार अधिकारी निलंबित

नयी दिल्ली, एजेंसी। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए पुराना एवं गंदगी भरा ट्रेन सेट उपलब्ध कराने पर कड़ी कार्रवाई की है और चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। श्री वैष्णव ने बुधवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि इस घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे के भीतर कार्रवाई की गई है। रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निलंबित कर दिये गये हैं। सूत्रों के अनुसार निलंबित अधिकारियों में अलीपुरद्वार कोचिंग डिपो के प्रभारी तथा मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

आतिशी ने रेखा गुप्ता सरकार पर साधा जोरदार निशाना, बोलीं- भाजपा गरीब विरोधी पार्टी

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) की वरिष्ठ नेता और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता आतिशी ने बुधवार को कालकाजी इलाके के भूमिहीन कैंप में किए गए तोड़फोड़ अभियान को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधा। मीडिया से बात करते हुए आतिशी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को श्गरीब विरोधीश पार्टी बताया और आगे सवाल किया कि विध्वंस के लिए अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया। उन्होंने कहा कि यह साफ है कि भाजपा एक श्गरीब विरोधीश पार्टी है। तीन दिन पहले दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने कहा था कि एक भी झुग्गी नहीं गिराई जाएगी। लेकिन आज सुबह 5 बजे से ही बुलडोजर चल रहे हैं और लोगों को जबरन उनके घरों से बाहर निकाला जा रहा है, लाठी-डंडों से पीटा जा रहा है। आतिशी ने आगे कहा कि रेखा गुप्ता का दावा है कि यह एक अदालती आदेश है - लेकिन अदालत का दरवाजा किसने खटखटाया? यह भाजपा की डीडीए और पार्टी थी जिसने यह आदेश लाया। ये गरीब लोग अदालत गए, लेकिन भाजपा और डीडीए उनके खिलाफ खड़े हो गए, उन्होंने कहा कि वे घर नहीं देंगे, और अदालत से तोड़फोड़ को मंजूरी देने का आग्रह किया। हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद यह तोड़फोड़ अभियान चलाया गया। दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने हाईकोर्ट के निर्देशों के बाद अवैध झोपड़ियों को ढहाने के मद्देनजर भूमिहीन कैंप के सभी निवासियों को एक आधिकारिक नोटिस जारी किया था, जिसमें उन्हें अपने परिसर खाली करने का निर्देश दिया गया था।

महिलाओं को भा रहा लैब में बना सस्ता हीरा

प्रयागराज। महिलाओं की ज्वेलरी की ख्वाहिशें अब और ज्यादा हकीकत में बदल रही हैं। खासकर जब बात हीरे की हो तो यह सिर्फ अमीरों तक सीमित नहीं रहा। प्रयागराज में इन दिनों लैबबॉर्न डायमंड ज्वेलरी का क्रेज तेजी से बढ़ रहा है। यानी ऐसे हीरे जो प्राकृतिक खदानों से नहीं, बल्कि अत्याधुनिक तकनीक से लैब में बनाए गए हैं। कीमत इतनी किफायती कि अब मध्यमवर्गीय परिवार की दुल्हन भी पूरे डायमंड सेट में सजी नजर आ रही हैं। बीते कुछ महीनों में शहर में दो बड़ी ब्रांड कंपनियों ने अपने शो रूम खोले हैं। एक कंपनी तो दुल्हन के लिए पूरा डायमंड सेट महज छह लाख रुपये में दे रही है, जिसमें सात पीस शामिल है। हार, झुमका, अंगूठी, मांगटीका से लेकर कंगना तक। ये सभी पीस 14 से 18 कैरेट सोने में जड़े गए हैं और लैबबॉर्न डायमंड से चमकते हैं। इन शो रूम में हीरे की नाक की कील महज छह हजार में और अंगूठी 12 हजार रुपये में मिलने लगी है। यही वजह है कि पारंपरिक सोने की बजाय अब महिलाएं डायमंड लुक की ओर आकर्षित हो रही हैं। सिविल लाइंस स्थित एक शो रूम में आई रश्मि ने बताया कि हीरा पहनना हमेशा सपना था। क्योंकि बजट नहीं बन पाता था। अब लैब डायमंड ने वो सपना पूरा कर दिया। दिखने में असली हीरे जैसा है, और कीमत भी मुनासिब। राणा ज्वेलर्स के मालिक पंकज सिंह ने बताया कि लैबबॉर्न डायमंड कार्बन की वही संरचना होती है जो प्राकृतिक हीरे में होती है, फर्क सिर्फ इतना है कि यह खदान से नहीं बल्कि मशीन से बनता है। यही कारण है कि यह सस्ता होने के बावजूद क्वालिटी में समझौता नहीं करता। यह असली हीरे जैसा है और कीमत में लगभग 40–60 प्रतिशत तक सस्ता है। असली हीरे जैसा लुक और फिनिशिंग है। वहीं, सुनहरी गोल्ड एंड डॉयमंड के हर्षवर्धन ने बताया कि ये एकदम नई चीज है। महिलाओं को पंसद आएगी।

हैंडपंप खराब, नलकूप उगल रहा गंदा पानी, पेयजल की समस्या से लोग परेशान

प्रयागराज। अलोपीबाग इलाका जलसंकट की चपेट में है। करीब एक दर्जन हैंडपंपों को रीबोर की दरकार है। कुछ तो दम तोड़ चुके हैं और जो बचे हैं वह आधे घंटे बाद पानी देना बंद कर दे रहे हैं। इलाके में पानी की आपूर्ति ओवरहेड टैंक के जरिए होती है। ओवरहेड टैंक भरने के लिए दो नलकूप लगे हैं, लेकिन एक ही काम करता है। दूसरा नलकूप गंदा पानी उगल रहा है। एक नलकूप की वजह से लो प्रेशर के कारण पूरे क्षेत्र में जलापूर्ति नहीं हो पाती। पेयजल की समस्या से लोग परेशान हैं।

लोगों का कहना था कि गंगा–यमुना के पास रह रहे हैं और पानी के लिए परेशान हैं। इससे बड़ी विडंबना क्या हो सकती है। लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। जिम्मेदार बेपरवाह बने हुए हैं। शहर के अलोपीबाग और उससे लगे तुलारामबाग, सोहबतिया बाग, न्यू अलोपीबाग आदि इलाकों में पेयजल की समस्या से लोग परेशान हैं। जरूरत भर का पानी भी लोगों को नहीं मिल पा रहा है, जिससे लोगों की दिनचर्या प्रभावित है। सुबह होते ही लोगों के सामने पानी की समस्या रहती है। कहने को तो पानी की आपूर्ति तीन समय होती है, लेकिन पानी कब आएगा, कब नहीं कोई नहीं जानता। जिस समय जलापूर्ति होती है उस दौरान प्रेशर इतना कम रहता है कि लोगों को जरूरत का पानी भी नहीं मिल पाता। सुबह होते ही लोग मोटर चलाकर पानी आने का इंतजार करते रहते हैं। समस्या इतनी गंभीर हो चुकी है कि कुछ दिन तो टैंकर से भी आपूर्ति करनी पड़ी थी। यहां दो नए नलकूप लगने थे, लेकिन मात्र एक नलकूप ही लग पाया, वह भी गंदा पानी उगल रहा है। इसके कारण पुराने नलकूप से ओवरहेड टैंक को भरा जा रहा है। इससे लो प्रेशर की समस्या बनी हुई है। भीषण गर्मी में लोग पानी के लिए परेशान हैं। लोगों का कहना है कि एक नया नलकूप लगे और भूमिगत जलाशय बनाया जाए। इससे ओवरहेड टंकी लोड हो तो पानी की समस्या का काफी हद तक समाधान हो सकेगा। लोग लगातार मांग करते आ रहे हैं, लेकिन सुनवाई नहीं हो रही है। एक दर्जन हैंडपंपों के रीबोर की दरकार अलोपीबाग, न्यू अलोपीबाग, सोहबतियाबाग,

तुलारामबाग, मटियारा आदि इलाकों में लगे करीब एक दर्जन हैंडपंप काम नहीं कर रहे हैं। कुछ हैंडपंप थोड़ी देर पानी उगलने के बाद बंद हो जाते हैं। सोहबतियाबाग में बाबा वेल्डिंग के पास, आकाश मेडिकल के पास, मक्खन सुपारी वाले की गली में, मटियारा में डॉ. रमाकांत के आवास के पास लगे हैंडपंप पानी नहीं दे रहे हैं। इन हैंडपंपों के रीबोर की सख्त जरूरत है। लोगों का कहना है कि यदि हैंडपंप काम कर रहे होते तो इतनी समस्या न होती। आपात स्थिति में यही सहारा बनते। हैंडपंपों की उपयोगिता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पुराने कुंए दे रहे राहत अलोपीबाग क्षेत्र के पुराने कुंए गर्मी में लोगों को काफी राहत दे रहे हैं। नियमित साफ सफाई के कारण इसका पानी साफ और मीठा है। अलोपशंकरी मंदिर कॉरिडोर में स्थित पुराने कुंए का उपयोग श्रद्धालु नियमित करते हैं। काली माई मंदिर के पास का कुंआ भी रखरखाव के कारण साफ पानी दे रहा है। शंकराचार्य आश्रम में स्थित कुंए का भी उपयोग होता है। इसी प्रकार मटियारा गांव और ढिंगवस कोठी परिसर में बना कुंआ भी लोगों को काफी राहत दे रहा है। लोगों का कहना है कि कुंए पानी के परंपरागत स्त्रोत हैं, इनकी नियमित देखरेख, साफ–सफाई कर इनका उपयोग किया जाना चाहिए, ताकि इनका वजूद बना रहे। शिकायतें – लो प्रेशर के कारण सभी घरों में नहीं पहुंच पा रहा पानी। – मात्र एक नलकूप होने से ओवरहेड टैंक नहीं भर पाता। – हैंडपंप काम नहीं कर रहे, कुछ अरसे से खराब पड़े हैं। – दो नलकूप की है जरूरत, शिकायत पर भी सुनवाई नहीं। समाधान – भूमिगत जलाशय बनाकर उसमें पानी स्टोर किया जाए और उससे ओवरहेड टैंक भरें। – नलकूप की क्षमता बढ़ाने के साथ दूसरे नलकूप को भी चालू किया जाए। – सभी खराब हैंडपंपों को रीबोर करा कर उन्हें उपयोग योग्य बनाया जाए। हमारी भी सुनें..... लोग पानी की समस्या से परेशान हैं। यहां दो नलकूप लगने थे, लेकिन मात्र एक नलकूप ही लगाया गया है जिससे समस्या बनी हुई है। जो नलकूप लगाया गया है वह गंदा पानी दे रहा है। इससे उसका उपयोग नहीं किया जाता। –कमलेश सिंह पानी की समस्या से लोग काफी परेशान हैं। गर्मी में लोगों की परेशानी बढ़ गई है। पेयजल समस्या को देखते हुए कुंए की सफाई कराई गई है। अब लोग कुंए का पानी इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे हैंडपंप भी चल रहा है। – दिनेश प्रताप सिंह पानी की समस्या काफी दिनों से है। सुबह से ही पानी की चिंता शुरू हो जाती है। लोग लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार इस पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। समस्या गंभीर है इसका समाधान जरूरी है। – रत्नाकर उपाध्याय पानी के लिए लोगों को सुबह–सुबह उठ जाना पड़ता है। देर होने पर जलापूर्ति बंद होने का डर बना रहता है। लो प्रेशर के कारण लोगों को जरूरत के मुताबिक पानी भी नहीं मिल पाता। जलकल विभाग में सुनवाई नहीं होती। – मनोज सप्रे कहने को तो पानी तीन समय आता है, इसके बावजूद लोग पानी न मिलने की समस्या से परेशान हैं। पानी के आने का कोई निश्चित समय नहीं होता। जब जलापूर्ति होती है तो प्रेशर इतना कम होता है कि पर्याप्त पानी नहीं मिल पाता। –दिनेश कुमार श्रीवास्तव पहले हैंडपंप हुआ करते थे तो लोगों को इतनी परेशानी नहीं होती थी। जहां हैंडपंप लगे हैं वहां रखरखाव न होने से काम नहीं कर रहे हैं। पेयजल की समस्या कोई नई नहीं है, फिर भी जिम्मेदार अब तक इसका समाधान नहीं कर पाए हैं। –समीर लोगों की दिनचर्या की शुरुआत ही पानी से होती है। सुबह पानी नहीं मिलता तो काफी उलझन होती है। सारे काम छूट जाते हैं। पानी की समस्या बेहद गंभीर है, इसका समाधान हो जाए तो काफी राहत मिले। – रमेश कुमार पानी का प्रेशर काफी कम रहता है, जिससे लोग परेशान हैं। मोटर लगाने के बाद भी पानी पहली मंजिल पर नहीं पहुंच पाता। छत पर लगी टंकी भी नहीं भर पाती। पेयजल समस्या का समाधान होना जरूरी है। –संजय कुमार लोग काफी समय से पेयजल समस्या से परेशान हैं। लगातार शिकायत भी की जा रही है, लेकिन समस्या का निदान नहीं हो पा रहा है। नलकूप ही इसका समाधान है, लेकिन अफसर इस पर गंभीर नहीं हैं। –आशीष कुमार पानी की समस्या का समाधान हो जाए तो लोगों को काफी राहत मिले, लेकिन शिकायत के बाद भी जिम्मेदार इस गंभीर समस्या पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। विभाग को तो सिर्फ टैक्स से मतलब है। जनप्रतिनिधि भी बेपरवाह हैं। धीरेन्द्र सिंह इलाके के अधिकांश हैंडपंप खराब पड़े हैं, जिससे समस्या का कोई विकल्प भी नहीं है। हैंडपंप काम कर रहे होते तो इतनी परेशानी नहीं होती। पेयजल समस्या का स्थाई समाधान होना चाहिए। –रणविजय सुबह से पानी की समस्या परेशान करने लगती है। नलों से पानी आता है तो प्रेशर इतना कम रहता है कि आवश्यकता का भी पानी नहीं मिल पाता। यह रोज की समस्या है, जिसका स्थाई समाधान जरूरी है। जिम्मेदारों को इस पर ध्यान देना होगा। –अनिल मलंग नलकूप की क्षमता बढ़ानी चाहिए। नया नलकूप लगे और उससे जलापूर्ति की जाए तो लो प्रेशर की समस्या का समाधान हो सकता है। उम्मीद थी कि महाकुम्भ मेला के समय समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा, लेकिन मायूसी मिली। –राजकुमार सुबह पानी नहीं मिलता तो नहा भी नहीं पाते, पूरा दिन खराब हो जाता है। लगातार लोग शिकायत कर रहे हैं, लेकिन जिम्मेदार अफसर इस गंभीर समस्या से अनजान बने हुए हैं। अधिकारी सुन नहीं रहे तो समाधान कैसे होगा। –नाटे हैंडपंप खराब पड़े हैं। नल से जो पानी आता है उसका प्रेशर इतना कम रहता है कि जरूरत का भी पानी नहीं मिल पाता। समस्या का स्थाई समाधान हो जाए तो लोग काफी राहत महसूस करें। – हर्ष

बोले पार्षद– काफी प्रयास के बाद पिछले दिनों नया नलकूप लगा, लेकिन जल संस्थान एवं जल निगम में आपसी तालमेल न होने के कारण नलकूप नहीं चल पाया। समस्या के स्थाई समाधान के लिए लगातार प्रयास किया जा रहा है। नए ट्यूबवेल का काम शुरू हो चुका है। ट्यूबवेल लगते ही पानी की समस्या का स्थाई समाधान हो जाएगा। – उमेश मिश्र, पार्षद

जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

जबलपुर। शहर समता विचार जबलपुर इकाई की काव्यगोष्ठी जून माह के काव्य गोष्ठी ऑनलाइन सफलतापूर्वक संपन्न।

काव्यगोष्ठी का शुभारंभ अध्यक्षता कर रही रचना सक्सेना, मुख्य अतिथि डा. कामना कौस्तुभ सारस्वत अतिथि चंद्र प्रकाश वैद्य विशिष्ट अतिथि छाया त्रिवेदी, डा. राजलक्ष्मी शिवहरे एवं अर्चना मलैया सभी अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति गायत्री चौबे द्वारा। काव्य गोष्ठी का संयोजन उमा मिश्रा प्रीति एवं संचालन अनीता दुबे ने किया। अतिथियों का स्वागत सिद्धेश्वरी सराफ एवं आरती शर्मा। काव्य गोष्ठी में सभी बहनों ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दियें। रेखा चौधरी, मंजूषाकिंजवडकर, राजकुमारी रैकवार, प्रभा बच्चन श्रीवास्तव रचना सक्सेना जबलपुर, रश्मि पांडे,डॉ आशा श्रीवास्तव, शशिकला सेन, अनुराधा गर्ग, डॉ मुकुल तिवारी, डा. कुमकुम शुक्ला, कुमारी चंदा देवी स्वर्णकार शैली सेठ। धन्यवाद ज्ञापन छाया सक्सेना प्रभु किया।

प्रयागराज में कचहरी के सामने बुलडोजर ऐक्शन, चैंबर तोड़ने पर भड़के वकीलों ने किया चक्का जाम

प्रयागराज। यूपी के प्रयागराज में कलेक्ट्रेट और कचहरी परिसर के बाहर अवैध अतिक्रमण पर ऐक्शन हुआ है। बुधवार को प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई में बुलडोजर से कई अतिक्रमण ध्वस्त कर दिए गए।

इस दौरान कई अधिवक्ताओं (वकीलों) के चैंबर भी कार्रवाई के दायरे में आ गए। कार्रवाई से गुस्साए वकीलों ने कचहरी के सामने चक्का जाम कर दिया। उन्होंने इसे प्रशासन द्वारा जल्दबाजी में की गई कार्रवाई बताया और कहा कि जब तक अधिवक्ताओं के लिए कोई उपयुक्त वैकल्पिक व्यवस्था नहीं होती, तब तक उनके चौंबर नहीं हटाए जाने चाहिए। कार्रवाई से नाराज कई अधिवक्ताओं ने बुधवार को खुद को न्यायिक कार्यों से विरत रखा।

कुछ अधिवक्ताओं ने आरोप लगाया कि कार्रवाई के दौरान उनके कुछ जरूरी कागजात भी इधर–उधर हो गए। अधिवक्ता सड़क पर टिनशेड और टूटे फर्नीचर रखकर चक्का जाम और प्रदर्शन कर रहे हैं। उधर, पुलिस ने एहतियातन कई कदम उठाए हैं।

मौके पर भारी संख्या में बल तैनात किया गया है। रैपिड ऐक्शन फोर्स और यूपी पुलिस की कई यूनिट्स को तैनात किया गया है। लक्ष्मी टाकीज चौराहे से ही बैरिकेडिंग कर रास्ता रोक दिया गया है। वकीलों के आंदोलन के मद्देनजर बड़ी संख्या में पुलिस बल को मौके पर तैनात किया गया है।

कलेक्ट्रेट और कचहरी परिसर के सामने कार्रवाई की शुरुआत बुधवार की सुबह 4 बजे से ही हो गई थी। विकास भवन और कचहरी के सामने सड़क के किनारे रखो वकीलों की कुर्सी–मेज और चौंबर को जेसीबी से ध्वस्त कर दिया गया। इसकी जानकारी मिलते ही सैकड़ों की संख्या में जुटे अधिवक्ता कार्रवाई के खिलाफ प्रदर्शन करने लगे।

बताया जा रहा है कि करीब डेढ़ घंटे तक अभियान चला। मिली जानकारी के अनुसार अभियान के अंत में पहुंचे कुछ लोगों ने पत्थर भी चलाए। इसमें 3 वाहनों के शीशे टूटने की सूचना है। नाराज अधिवक्ताओं ने अभियान को लेकर रणनीति बनाने के लिए बैठक भी बुलाई।

पंजाब में बैंक लूटकर भागे दो बदमाश मथुरा में गिरफ्तार

मथुरा। पंजाब मे दिन दहाडे पिस्टल दिखाकर बैंक कर्मियों को बंधक बनाकर करीब 36 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम देने वाले अभियुक्तों को एसओजी टीम, थाना गोविंद नगर पुलिस एवं पंजाब पुलिस टीम की संयुक्त कार्यवाही में मथुरा से गिरफ्तार किया गया है। इनके कब्जे से 202000 रुपये, एक इनोवा गाड़ी एवं पांच मोबाइल बरामद हुए हैं। 30 जून को एचडीएफसी बैंक शाखा रिहानजटा थाना मेटियाना जिला कपूरथला पंजाब में तीन नकाबपोश बदमाशों द्वारा असलाहो के बल पर गार्ड को कब्जे मे लेकर बैंक कर्मियों को बंधक बनाकर कैश रूम से करीब 36 लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया था। साथ ही साथ सभी बैक कर्मियों के मोबाइल भी साथ लेकर गये थे। जिसके सम्बन्ध में धारा 309, 317, (2) बीएनएस व 25, 54, 59 आर्म्स एक्ट में थाना रावलपिंडी कपूरथला जिला पंजाब में अभियोग पंजीकृत किया गया था। अभियुक्त लूटपाट की घटना को अंजाम देने के बाद मथुरा मे आकर छुप गये। बमदाशों के मथुरा में छुपे होने की गोपनीय सूचना पर पीछा करते हुए पंजाब पुलिस की एक टीम मथुरा आ गई। स्थानीय पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद तत्काल जनपद मथुरा की एसओजी टीम एवं थाना गोविन्द नगर पुलिस ने पंजाब पुलिस से साथ मिलकर नवजोत सिंह पुत्र सन्तोक सिंह निवासी कहालवान थाना कर्तार पुर जिला जालंधर पंजाब, जोरावर सिंह पुत्र संतोक सिह निवासी धालीवाल कदीयान थाना लम्डा जिला जालंधर पंजाब को राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित नया बस स्टैण्ड गोकुल रेस्टोरेन्ट के पास थाना क्षेत्र गोविन्दनगर से गिरफ्तार कर लिया।

ऑनलाइन–ऑफलाइन तबादले में घनचक्कर बने शिक्षक

प्रयागराज। प्रदेश के 4517 अशासकीय सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में वर्ष 2025–26 के लिए स्थानान्तरण को लेकर प्रधानाचार्य, प्रधानाध्यापक, प्रवक्ता और सहायक अध्यापक घनचक्कर बने हुए हैं। शासन के विशेष सचिव कृष्ण कुमार गुप्त की ओर से सात जून को जारी आदेश में लिखा है कि जो फाइलें सात जून तक शिक्षा निदेशालय में ऑफलाइन माध्यम से पहुंच चुकी है उनका तबादला ऑफलाइन होगा। इस बीच ऑनलाइन स्थानान्तरण के संबंध में शिक्षा निदेशालय स्तर पर संचालित वेबसाइट् .केम.नचउेच.मकन.पद पर कॉलेजों की ओर से रिक्तियों अग्रसारित की गई हैं। यही नहीं स्कूलों के प्रबंधकों ने नियम विरुद्ध तरीके से ऑनलाइन अग्रसारित रिक्तियों के प्रति ऑफलाइन स्थानान्तरण के अनापत्ति प्रमाण–पत्र (एनओसी) भी जारी कर दिए हैं। अब पोर्टल पर संशोधन के लिए प्रबंधकों की ओर से अनुरोध पत्र भेजा जा रहा है। इसे गंभीरता से लेते हुए माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ. महेन्द्र देव ने सभी जिला विद्यालय निरीक्षकों को सख्त निर्देश दिए हैं। निर्देशित किया है कि ऑनलाइन स्थानान्तरण के लिए अग्रसारित रिक्तियों के सापेक्ष किसी भी दशा में प्रबंधकों के स्तर से ऑफलाइन स्थानान्तरण का अनापत्ति प्रमाण–पत्र निर्गत न किया जाए। यदि ऑनलाइन स्थानान्तरण के लिए अग्रसारित रिक्ति के प्रति ऑफलाइन स्थानान्तरण आवेदन–पत्र का कोई प्रकरण डीआईओएस कार्यालय में प्राप्त होता है, तो उसे तत्काल प्रभाव से निरस्त करते हुए दोषी प्रबंधक के खिलाफ कार्यवाही का प्रस्ताव शिक्षा निदेशालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। फाइल जमा करने के लिए निदेशालय में लगी रही भीड़ शासन के आदेश पर सात जून तक शिक्षा निदेशालय को तबादले के लिए मिल चुकी फाइल से संबंधित शिक्षकों का नियमानुसार ऑफलाइन माध्यम से तबादला होगा। हालांकि दर्जनों शिक्षक मंगलवार को अपनी–अपनी फाइल बैकडेट से जमा करवाने के लिए भीड़ लगाए रहे।

विशाल सतसंग मे बही भक्ति की बयार, उमड़ा जन सैलाब

मोरना। अखिल भारतीय संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास मिशन के तत्वाधान में गुरु गद्दी शुकतीर्थ में स्वामी ज्ञान भिक्षुकदास महाराज की पुण्यतिथि पर महान संत समागम व भंडारे का आयोजन किया गया। सत्संग का शुभारंभ गुरुपूजा उपरांत महात्मा मोनूदास द्वारा आरती वंदना से किया गया। प्रवचन करते हुए व्यवस्थापक महात्मा गोरधन दास महाराज ने कहा कि मन बड़ा चंचल रहता है जिससे मुक्ति पाने के लिए सत्संग ही एकमात्र इसका ठिकाना है क्योंकि सत्संग के अंदर गंदे विकारों का नाश व सदविचारों का प्रकाश होता है जिससे मानव जीवन में खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि सतगुरु रविदास महाराज सतगुरु स्वामी समनदास महाराज ने मानव को सत्संग बताया है उन्होंने सभी से मांस शराब व अंडा जैसे गंदे खान–पान को छोड़कर शाकाहारी जीवन जीने की बात कही। महात्मा राजकुमार दास ब्रह्मचारी ने कहा कि गुरु के बिना जीवन अंधकारमय है इसलिए सत्संग रूपी अमृतवर्षा जरूरी है क्योंकि जिस इंसान को सत्संग अच्छा नहीं लगता वह इंसान कर्मों का मारा होता है। सत्संग में बोलते हुए भीम आर्मी जय भीम संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह नौटियाल ने सतगुरु स्वामी समनदास जी महाराज के विचारों को आत्मसात करते हुए कहा कि समाज की प्रत्येक पीड़ा के साथ वह समय खड़े है और आज समाज तरक्की कर पा रहा है तो कुछ मनुवादी ताकते हमें लगातार नीचा दिखाने के लिए कार्य करती है जिससे मुक्ति पाने के लिए अपनी खुद की शासन सत्ता को स्थापित करना होगा। उन्होंने उपस्थित जन समूह से अपने मत का सदुपयोग कर समाज को हुक्मरान बनाने और युवाओं से नशे की आदत को छोड़ने की बात कही। झबरेडा विधायक वीरेंद्र कुमार जाती ने कहा कि जो गुरुमार्ग पर चलता है उसके जीवन में तरक्की संभव है क्योंकि अगर आज विधायक बने है तो उसका श्रेय सतगुरु स्वामी समनदास जी महाराज को जाता है। भारतीय शिक्षा चौरिटेबल ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ट समाजसेवी जयराम गौतम प्रधान ने कहा जब दूसरे मिशन के संतों पर सरकार तनख्वाह व सुरक्षा देने का कार्य करती है तो गुरु रविदास मिशन के संतों के साथ ऐसा भेदभाव क्यों किया जाता है उन्होंने सर्वसमाज से गुरु गद्दी शुक्रताल व ऊन के निर्माण कार्य में सहयोग करने की बात कही। राज्यमंत्री उत्तराखंड सरकार देशराज कर्णवाल चमार साहब ने कहा कि उन्हें अपनी बिरादरी पर गर्व है क्योंकि जो शब्द चलन में आ जाता है उसका हर जगह नाम होता है इसलिए वह अपने नाम के आगे चमार शब्द को लगाते है। उन्होंने समाज से अपनी जाति न छुपाने की बात कहते हुए सतगुरु स्वामी समनदास जी महाराज के सानिध्य में बिताए पलों को याद किया। सत्संग में महात्मा मेघराज दास, सलाहकार पूर्व राष्ट्रपति जयविलास, महात्मा श्रद्धादास, बृजपाल दास व संदीप दास ने भी विचार रखे। संचालन अनिल कुमार ने किया। पूरे सत्संग समारोह के दौरान शिक्षा व समाज की बेहतरी पर फोकस किया गया। कार्यक्रम में पत्रकार एसडी गौतम, भीम आर्मी जिलाध्यक्ष सन्नी गौतम, जिला पंचायत सदस्य सचिन करानिया, एड. संजीव नौटियाल, महात्मा गुरुमुख दास ब्रह्मचारी, महात्मा नत्थादास, महात्मा राजकुमार दास, रामपाल सिंह गौतम, महात्मा सतीश दास, महात्मा रजेदास, अनिल रावण, जगमेश, विपिन मास्टर, प्रदीप कुमार, शीलदास, रणधीर दास, सुषमा दासी, अलका सिंह व सोनिया क्लासनिया समेत लाखों की तादाद में संगत उपस्थित रही।

शुकतीर्थ में बोले योगी-

5000 साल पुरानी भागवतभूमि का होगा विकास, संतों की स्मृति में घाट और सभागार बनेंगे

मुजफ्फरनगर। शुकतीर्थ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को शुकतीर्थ में स्वामी भिक्षुकदास जी महाराज और समनदास जी महाराज की 65वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर उन्होंने शुकतीर्थ को "भागवतभूमि" बताते हुए इसके आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित किया। योगी ने कहा कि लगभग 5,000 वर्ष पूर्व इसी स्थान पर शुकदेव जी महाराज ने राजा परीक्षित को भागवत कथा सुनाकर भक्ति, ज्ञान और मुक्ति का संदेश दिया था। मुख्यमंत्री ने गंगा को भारत की सनातन परंपरा की अविरल धारा बताते हुए कहा कि यह हमारी सांस्कृतिक पहचान और मोक्ष का मार्ग है। उन्होंने कहा कि यह भारत का ही गौरव है कि 5,000 वर्षों की परंपरा को आज भी जीवित रखे हुए है, जिसके उत्तराधिकारी स्वयं भारतीय संत समाज हैं।

योगी आदित्यनाथ ने घोषणा की कि अगली बार समनदास आश्रम के सामने संत समनदास जी महाराज और सतगुरु रविदास जी की स्मृति में घाट का निर्माण, सड़कों का चौड़ीकरण, पार्किंग, सौंदर्यीकरण और सत्संग सभागार का निर्माण कराया

जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मुख्यमंत्री ने डॉ. भीमराव अंबेडकर के योगदान को याद करते हुए कहा कि पिछले कई दशकों तक उन्हें वह सम्मान नहीं मिला जिसके वे हकदार थे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न सिर्फ पंचतीर्थों का निर्माण किया, बल्कि 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित कर बाबा साहेब को उचित सम्मान दिया।

सीएम योगी ने कहा कि स्वामी भिक्षुकदास और समनदास जी महाराज ने संत रविदास जी के मिशन को आगे बढ़ाया। सरकार की गरीब कल्याण योजनाएं और सामाजिक परिवर्तन इसी प्रेरणा से संभव हो पाए हैं।

कार्यक्रम में प्रमुख संतों व गणमान्य व्यक्तियों में महंत गोवर्धन दास जी महाराज, स्वामी ओमानंद, निर्मल दास,गुरुदीप गिरि, सांसद चंदन चौहान, मंत्री अनिल कुमार, कपिल देव अग्रवाल, सोमेंद्र तोमर, पूर्व सांसद संजीव बालियान, विधायक राजपाल बालियान, वंदना वर्मा, मिथिलेश पाल व विक्रम सैनी आदि शामिल रहे।

संत रविदास के विचार आंतरिक पवित्रता व निर्मलता के प्रतीक हैं: योगी

मोरना। शुकतीर्थ स्थित संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सतगुरु समनदास आश्रम गुरु गद्दी में ब्रहमलीन संत सतगुरु ज्ञान भिक्षुकदास महाराज के 65वें परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर बुधवार को पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत रविदास महाराज की जीवन से प्रेरणा लेने तथा शुकतीर्थ में सतगुरू रविदास व सतगुरू समनदास के नाम पर गंगा घाट का निर्माण, शुकतीर्थ के सौन्दर्यीकरण, मार्गों के चौडीकरण की घोषणा की तथा मंच से सनातन संस्कृति, संत परम्परा को लेकर सम्बोधन किया। साथ ही कैराना कांधला को लेकर पूर्व की सरकारों पर हमला बोला। सम्बोधन के पूर्व समनदास आश्रम में ज्ञान भिक्षुक महाराज को नमन किया व आश्रम के मुख्य द्वार का लोकार्पण किया। कार्यक्रम के दौरान अभूतपूर्व सुरक्षा रही। भीषण गर्मी के बीच व्यवस्थाओं में जुटे प्रशासनिक अधिकारियों के पसीने छूटे।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने कहा कि मध्यकाल में जब देश गुलामी की बेडियों में जकडा हुआ था। विदेशी आक्रांताओं द्वारा धर्म संस्कृति पर प्रहार हो रहा था। तब रविदास जैसे संत का आदिर्भाव होता है, उनका आदिर्भाव एक ज्योति पुंज के समान रहा। संत रविदास प्रत्येक देशवासी व श्रद्धालु के लिए प्रेरणा का स्रोत व सच्चे मार्गदर्शक है। संत रविदास ने कर्म साधना पर बल देकर सामाजिक आडम्बर व कुरीतियों के प्रति समाज को जागरूक किया। उनके विचार कर्मप्रधान, आंतरिक पवित्रता व निर्मलता के प्रतीक हैं। संत रविदास सबके लिए समान अन्न की बात करते हैं। उनके विचारों से प्रेरित होकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत देश के 85 करोड लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराया। संत रविदास के जन्मस्थान गोवर्धनपुर में भाजपा सरकार ने अनेक विकास कार्य कर स्मारक की स्थापना कराई। संविधान निर्माण बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर को भाजपा सरकार ने सम्मान दिया। बाबा साहेब के नाम पर मध्यप्रदेश के मऊ में पंचतीर्थों का निर्माण किया गया। साथ ही लन्दन में भवन को खरीदकर बाबासाहेब के नाम पर एक स्मारक व छात्रावास का निर्माण किया गया तथा स्कॉलरशिप की व्यवस्था की गई। संविधान निर्माता बाबा साहेब अम्बेडकर के गौरव और गरिमा के अनुरूप उनका सम्मान होना चाहिए जो पिछली सरकारों ने नहीं किया। बाबा साहेब के नाम पर 1949 से 2015 तक कोई समारोह नहीं होता था। भाजपा सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान दिवस के रूप में मनाने का काम किया है। बाबा साहेब के नाम पर नागपुर व मुंबई में विशाल प्रतिमा व स्मारक का निर्माण कराया जा चुका है। पांच हजार वर्ष पुरानी संस्कृति पर केवल आप ही गर्व कर सकते हैं। दुनिया के किसी भी मत व सम्प्रदाय को अवसर पर प्राप्त नहीं है। संत रविदास की प्रेरणा से कार्य अच्छे ही होते हैं। संतों की राह एकता की राह है जो कैराना व कांधला जैसी घटनाएं नहीं होने देती। सम और विषम परिस्थितियों में लडने की क्षमता देती है। ज्ञान भिक्षुक महाराज दिव्य संत थे। शुकतीर्थ पुण्य भूमि है। इसी पावन धरा पर भागवत का उदगम हुआ था। मां गंगा भारत की अविरल धारा है। शुकतीर्थ में संत रविदास और समनदास महाराज की स्मृति में घाट का निर्माण कराया जाएगा तथा तीर्थनगरी में पार्किंग, सौन्दर्यीकरण, मार्गों का चौडीकरण तथा सत्संग सभागार का निर्माण कराया जाएगा।

स्वामी ओमानन्द महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुकतीर्थ के विकास के लिए सराहनीय कार्य किए हैं। संत रविदास महाराज की परम्परा को आगे बढाते हुए सतगुरू समनदास महाराज ने भी समाज में जागरूकता का कार्य किया तथा उचित खानपान व अनुशासित जीवन के लिए आमजन को प्रेरित किया।

दण्डी स्वामी महादेवाश्रम ने कहा कि मुजफ्फरनगर को इससे पहले क्राईम कैपिटल के रूप में जाना जाता था। योगी सरकार में जनपद ही नहीं पूरा प्रदेश अपराधमुक्त हो गया है। अब किसी की हिम्मत अपराध करने की नहीं होती। भाई भतीजावाद, जातिवाद का संरक्षण इस सरकार में नहीं हो रहा है। मुख्यमंत्री के द्वारा शुकतीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया है। शुकतीर्थ में 84 करोड के विकास कार्य जारी है जो ऐतिहासिक व अभूतपूर्व है। शुकतीर्थ का नामकरण करने का श्रेय भी योगीजी को ही जाता है। बिहारगढ, शुक्रतारी, फिरोजपुर, इलाहाबास व शुकतीर्थ में सनातन धर्म के ही लोग रहते हैं। इसलिए यह धर्म का केन्द्र है। योगी सरकार जनकल्याण के कार्य कर रही है। नेतागण अधिकारियों को अनावश्यक रूप से परेशान न करें।

आश्रम के प्रबंधक महात्मा गोवर्धनदास महाराज ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगमन से अभिभूत है। संत समागम के इस कार्यक्रम में प्रदेश के मुख्यमंत्री का सम्मिलित होना गौरवशाली क्षण है। मुख्यमंत्री द्वारा संत रविदास व सतगुरू समनदास के नाम पर गंगा घाट के निर्माण, विशाल प्रतिमा व सत्संग सभागार का निर्माण करने सहित शुकतीर्थ में विकास कार्यों की घोषणा करने पर उनका आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री का कार्यक्रम

11 बजकर 05 मिनट पर हैलीपैड पर आगमन

11 बजकर 15 मिनट पर समनदास आश्रम के मुख्य द्वार का लोकार्पण

11 बजकर 20 मिनट पर समनदास महाराज की समाधि पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन

11 बजकर 24 मिनट पर सभा स्थल पहुंचे

11 बजकर 43 मिनट पर सम्बोधन शुरू

12 बजकर 03 मिनट पर सभा स्थल से प्रस्थान

12 बजकर 28 मिनट पर हैलीपैड से हिन्डन एयरबेस के लिए रवाना

ये संत रहे मौजूद–

महामंडलेश्वर स्वामी गोपालदास महाराज, विज्ञानानन्द महाराज, स्वामी कृपालदास महाराज, सतीशदास महाराज, गुरदीप गिरि पठानकोट, निर्मलदास महाराज जालंधर, संदीपदास महाराज, ओमदत्त आर्य आदि मौजूद रहे।

ये रहे मौजूद –

कैबिनेट मंत्री अनिल कुमार, मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, मंत्री सोमेन्द्र तोमर, विधायक मिथलेशपाल, राजपाल बालियान, पूर्व केंद्रीय मन्त्री डॉ. संजीव बालियान, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. वीरपाल निर्वाल, जिलाध्यक्ष भाजपा सुधीर सैनी, जिलाध्यक्ष रालोद संदीप मलिक, पूर्व मंत्री अनुराधा चौधरी, क्षेत्रीय मंत्री अमित राठी, पूर्व विधायक उमेश मलिक, प्रमोद ऊंटवाल, अशोक कंसल, विक्रम सैनी, डॉ. अमित ठाकरान, अमरीश गोयल, योगराज मन्त्री, एमएलसी वंदना वर्मा, रालोद मंडल अध्यक्ष प्रभात तोमर, सुखविन्दर सोम आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोवर्धनदास महाराज व संचालन पूनम शर्मा ने किया।

अधिकारीगण–

कमिश्नर अटल कुमार रॉय, डीआईजी अभिषेक सिंह, डीएम उमेश मिश्रा, एसएसपी संजय कुमार वर्मा, सीडीओ कंडारकर कमल किशोर देशबंधु, एसपी देहात आदित्य बंसल, एसडीएम जयेन्द्र सिंह, संजय सिंह, निकिता शर्मा, सीओ डॉ. रवि शंकर मिश्रा, रामआशीष यादव, सूक्ष्मप्रकाश, रूपाली राव चौधरी आदि सुरक्षा व्यवस्था में लगे र

कार्यक्रम में जहां अनेक कमियां उजागर हुई। वहीं बिजनौर सांसद चंदन चौहान के अनुपस्थित होने के बावजूद मुख्यमंत्री के द्वारा उनका नाम मंच से बोला गया। मुख्यमंत्री को दी गई नामों की लिस्ट में भारी चूक प्रबन्धन की लापरवाही को उजागर करती है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान लगते रहे जय भीम के नारे – पुलिस व प्रशासन जनता को शांत करने में जुटे रहे

मोरना। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लेकर पिछले कई दिनों से तैयारियां चल रही थी। तेज गर्मी के बीच लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं का कार्यक्रम में भाग लेने का अनुमान था। अनुमान के अनुरूप श्रद्धालुओं की भारी संख्या में शोभायात्रा में पहुंची तथा सत्संग के दौरान श्रद्धालुओं का सैलाब आश्रम में उमड आया। सुबह होते ही श्रद्धालुओं ने वापिस अपने गणतव्य को लौटना शुरू कर दिया। श्रद्धालुओं की वापसी देख आयोजकों के हाथ पांव फूल गये। किसी प्रकार भीड को रोकने का प्रयास किया गया। हजारों की संख्या में बैठे श्रद्धालु सरकारी व्यवस्थाओं से नाराज दिखे और बार बार मुख्यमंत्री के दौरान भी विरोध जताते रहे। जनता की ओर से जय भीम के नारे लगते रहे तथा नीले झंडे लहराते रहे। भीड की ओर से भारी हंगामे को देख प्रशासन के हाथ पांव फूल गये। प्रशासनिक अधिकारी व पुलिस अधिकारी जनता को समझाते व शांत करते नजर आए। मुख्यमंत्री के सम्बोधन के दौरान एक व्यक्ति मंच की ओर दौडा, जिसको पुलिस अधिकारियों ने पकड लिया। श्रद्धालुओं के अनुसार सुबह सवेरे अनेक श्रद्धालु गुरू बंदगी के लिए आश्रम में जा रहे थे, जिन्हें पूजा करने से रोक दिया गया, जो धार्मिक आस्था के विरूद्ध है। अनेकों श्रद्धालु प्रशासन का भारी विरोध करत नजर आए। आमजन की मानें तो मुख्यमंत्री का कार्यक्रम पूर्णरूप से फ्लॉप कहा जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम के फ्लॉप होने के कारणों की लम्बी फहरिश्त है, जिसकी समीक्षा उच्चाधिकारी व भाजपा आलाकमान अवश्य ही करेगी।

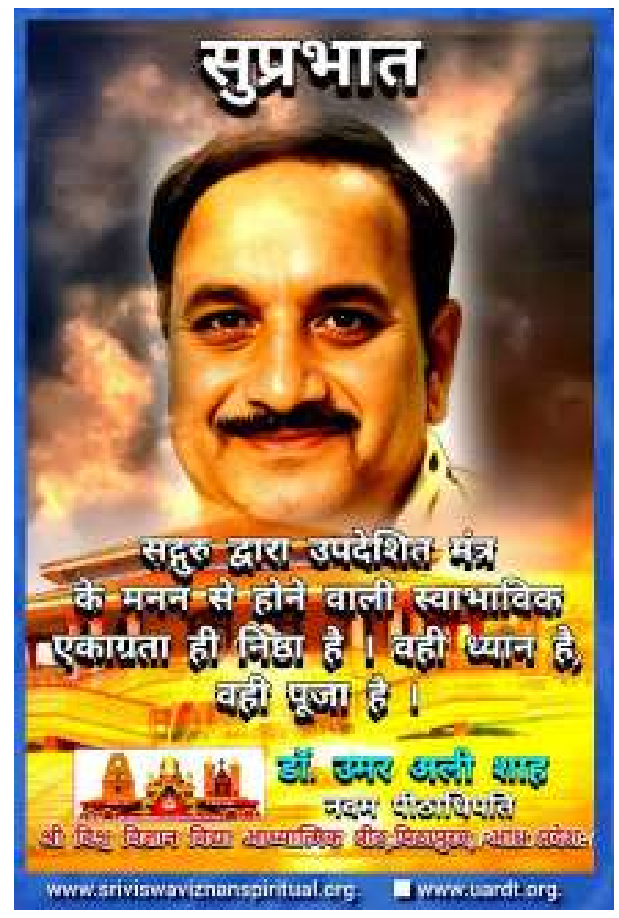

कहते हैं तोतापरी

(कुण्डलिया)

दक्षिण का यह आम है, तोते जैसी चोंच।
कहते हैं तोतापरी,रखे स्वाद में लोच।
रखे स्वाद में लोच,जायका खट्टा–मीठा।
व्यंजन दे अनमोल,स्वाद में दीठा–दीठा।
सुन लो कहें प्रदीप,न दूजा फल है इस सा।
खुशबू बन पहचान, बताती है दक्षिण का।।

कल्लमई तोतापरी, मुक्कू गिल्ली आम।
छिलका कड़वा है नहीं, सभी एक हैं नाम।
सभी एक है नाम, चोंच तोते सी दिखती।
चटनी शेक अचार,स्वाद अपना ही रखती।
सुन लो कहें प्रदीप, नाम इसके कई कई।
संदरशा ओट्टू कहे, बैंगलोरा, कल्लमई।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

प्रभावी नाट्य भाषा की प्रस्तुति 'बाज़ी' –जीवन के अर्थ की तलाश की दिलचस्प कहानी

प्रयागराज। उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के नाट्य समारोह का समापन बैकस्टेज संस्था के असरदार नाट्य प्रयोग बाज़ी से हुई। नाट्य प्रस्तुति का मुख्य विचार जीवन के मूल्य और धन के प्रति इंसान की लालसा को समझने के साथ आत्मिक विकास के बीच अंतर दिखाना है। जाने माने रंगकर्मी प्रवीण शेखर निर्देशित दिलचस्प रंगविन्यास, प्रशंसनीय अभिनय और सघन कथा संरचना की इस प्रस्तुति में दिखाया गया है कि असली ज्ञान संसार की इच्छाओं से ऊपर उठने में है। अविनाश चंद्र मिश्र लिखित यह नाटक एंटन चेखव की कहानी श्द बेटश पर आधारित है। शबाज़ीश जीवन की प्रकृति और मूल्य के बारे में एक शर्त है. अमीर श्री गोयलकृजो मानते हैं कि मृत्युदंड आजीवन कारावास से अधिक मानवीय और नैतिक हैकृका तर्क है कि अनुभव, सुख और रिश्ते ही जीवन को जीने लायक बनाते हैं।

उनके अनुसार, कैद में बिताया गया जीवन अनिवार्य रूप से एक जीवन नहीं है, इसके बजाय यह एक धीमी और निरंतर मृत्यु है। इसके विपरीत, युवा वकील श्री सक्सेना का तर्क है कि शबिल्कुल नहीं से बेहतर है जीवित रहना, किसी भी तरह जीना अपने आप में मरने से बेहतर है।

उत्तर मध्य रेलवे

निविदा नोटिस सं. ET-47/Elect./CHG-PRYJ/2025-26, दि0 :- 05.06.2025

शुद्धि पत्र सं. 1 दिनांक: 09.06.2025

निविदा नोटिस सं. - ETCHG-47 , कार्य का नाम : प्रयागराज मंडल में एलएचबी नॉन-एसी कोचों के जल पंपों के लिए अलग एमसीसीबी का प्रावधान और इसके नियंत्रक को ऑनबोर्ड पैनलों में स्थानांतरित करना। विवरण : निविदा संख्या ETCHG-47 के लिए निविदाकर्ता को निर्देश के मद संख्या 2, पहले प्रकाशित : Warranty : - All the materials provided by the firm will be warranted for 06 months from the date of installation. If any material fails during warranty period same shall be supplied & installed by the firm free of cost, इसे निम्न प्रकार पढ़ा जाना चाहिए : Warranty : - All works shall be warranted for a period of 12 months from the date of installation/ commissioning. All materials shall carry a warranty of 12 months or as per the OEM's warranty policy, whichever is later/ applicable. The contractor shall submit the original OEM warranty certificate in favour of the Railways. The Security Deposit (SD) shall be released after expiry of 12 months, subject to satisfactory performance during the warranty period and submission of the warranty certificate in original as mentioned afore. 987/25 (AS)

बलदेव सीएचसी का एडीएम और एसडीएम ने किया औचक निरीक्षण

मथुरा। डोरीलाल अग्रवाल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बलदेव का बुधवार को एडीएम प्रशासन डॉ अमरेश कुमार मौर्या और एसडीएम महावन कंचन गुप्ता ने औचक निरीक्षण किया । एडीएम ने आपातकालीन विभाग, प्रयोगशाला, प्रसव कक्ष,इमरजेंसी वार्ड , प्रसव कक्ष जांच किया जिसमें प्रसव कक्ष में 2 मरीज,नवीन 65 मरीज तथा 30 पुराने मरीज देखे गए। एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार मौर्या ने बताया कि हॉस्पिटल की सभी व्यवस्था दुरुस्त पाई गई हैं तथा मरीजों से वार्तालाप किया गया इस दौरान मरीजों ने दवा इत्यादि के बारे में संतुष्टि प्रगट की है। एसडीएम महावन कंचन गुप्ता ने बताया कि सी एच सी बलदेव में साफ सफाई ठीक पाई गई है और अस्पताल का सभी स्टाफ उपस्थित मिला है इसके अलावा बलदेव में ब्लॉक और गौशाला का भी औचक निरीक्षण किया गया है बलदेव ब्लॉक में कुछ स्टाफ अनुपस्थित मिला है। निरीक्षक के दौरान सी एच सी सी बलदेव में चिकित्सा अधीक्षक डॉ वीएस सिसोदिया, डॉक्टर सोनम शर्मा, डॉक्टर श्रुति सिंह,डॉक्टर गौरव, डॉक्टर ललित, सचिन स्टाफ नर्स, फार्मासिस्ट चन्द्र प्रकाश, कुलदीप सारस्वत, सपना स्टाफ नर्स, पूनम स्टाफ नर्स, अनिल राठौड़, गौरव रावत, धर्मेन्द्र, इत्यादि अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

युवाओं में बढ़ती निराशा, डिप्रेशन, आत्महत्या, साईबर अपराध के प्रति आकर्षण, इन सबसे बाहर कैसे निकले युवावर्ग?

मुजफ्फरनगर। 1. 'भावनात्मक शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता देना'

स्कूलों और कॉलेजों में मानसिक स्वास्थ्य पर आधारित साप्ताहिक सत्र अनिवार्य हों।

युवाओं को भावनाओं को व्यक्त करने, सुनने और सहनशीलता की कला सिखाई जाए।

कॉउंसलिंग को सामान्य बनाना ज़रूरी है, ताकि मानसिक समस्याएं 'कमज़ोरी' न समझी जाएं।

2. 'माता–पिता और परिवार की भूमिका'

सुनने की आदत विकसित करें, हर बार केवल सलाह देना समाधान नहीं होता।

बच्चों को खुले मन से संवाद का अवसर दें , डांट–डपट नहीं, साथ खड़े होने का अहसास ज़रूरी है।

किसी समस्या को ष्फालतूष कहकर टालना खतरनाक हो सकता है , हर चिंता, हर डर की अहमियत है।

3. 'डिजिटल दुनिया की समझ और नियंत्रण'

बच्चों को तकनीक के अंधेरे पहलुओं से परिचित कराना ज़रूरी है,जैसे साइबर अपराध, ऑनलाइन शोषण, गेमिंग लत आदि।

मॉनीटरिंग जरूरी है, लेकिन जासूसी नहीं, संवाद के साथ तकनीकी मार्गदर्शन दें।

डिजिटल कमजव• और वास्तविक जीवन के अनुभवों को बढ़ावा देना चाहिए (यात्रा, खेल, प्रकृति, सामाजिक सेवा)।

4. 'समाज और व्यवस्था की भूमिका'

युवाओं के लिए करियर काउंसलिंग, स्किल डेवलपमेंट, और स्टार्टअप/स्वरोजगार के अवसर बढ़ाएं।

सामुदायिक स्तर पर मनोचिकित्सक, लाइफ कोच, और स्वयंसेवी संस्थाएं सक्रिय हों।

मीडिया और फिल्में सकारात्मक कहानियों को बढ़ावा दें , न कि ग्लैमराइज़ किए गए अपराध या आत्महत्या के दृश्य।

5. 'युवाओं को आत्म–चिंतन की दिशा में मोड़ना'

उन्हें सिखाएं कि षविफलता अंत नहीं हैष बल्कि नया आरंभ हो सकता है।

धैर्य और लंबी सोच के लिए किताबें, प्रेरक कहानियां, ध्यान–योग और सामूहिक गतिविधियां उपयोगी हैं।

'नादिर राणा लेखक एवं स्वतंत्र पत्रकार मुजफ्फरनगर।'

आवश्यक सूचना

रेल प्रशासन द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि बरूआसागर-निवाड़ी- टेहरका स्टेशनों के मध्य दोहरीकरण हेतु नॉन इंटरलाकिंग एवं कट-कनेक्शन कार्य के कारण निम्नलिखित रेलगाड़ियों का निरस्तीकरण एवं मार्ग परिवर्तन का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत हैः-

गाड़ियों का निरस्तीकरण

गाड़ी संख्या	स्टेशन से - स्टेशन तक	प्रारम्भिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
11802	प्रयागराज - ग्वालियर	13.06.25
11801	ग्वालियर - प्रयागराज	13.06.25
64613	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - बांदा मेमू	12.06.25,13.06.25
64614	बांदा - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू	12.06.25,13.06.25
64611	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - मानिकपुर मेमू	12.06.25,13.06.25
64612	मानिकपुर - वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी मेमू	13.06.25,14.06.25

गाड़ियों का मार्ग परिवर्तन

गाड़ी संख्या	स्टेशन से स्टेशन तक	निर्धारित मार्ग	प्रस्तावित परिवर्तित मार्ग वाया	प्रारंभिक स्टेशन से प्रभावी तिथि
19666	उदयपुर सिटी -खजुराहो	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी - महोबा-खजुराहो	वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-निवाड़ी-ललितपुर - टीकमगढ़-खजुराहो	12.06.25
19665	खजुराहो - उदयपुर सिटी	खजुराहो-महोबा-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	खजुराहो-टीकमगढ़-निवाड़ी-ललितपुर-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी	13.06.25

*उपरोक्त रेलगाड़ियों का सिंहपुर-डुमरा, महोबा, कुलपहाड़, हरपालपुर, मऊरानीपुर एवं निवाड़ी स्टेशनों पर ठहराव नहीं होगा।

नोट– ट्रेनों की समय–सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन नं0 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1004/25(DG)

सम्पादकीय........

11 सालों के शासन का सर्वे

नरेन्द्र मोदी समेत पूरी भाजपा इस समय मोदी सरकार के 11 साल पूरा होने की खुशियां मना रही है। इस मौके पर नरेन्द्र मोदी एक बार फिर नमो ऐप को सामने ले आए हैं, इस ऐप के जरिए वे जन मन सर्वे कर रहे हैं। अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर इसकी जानकारी देते हुए श्री मोदी ने कहा कि लोग इस पर स्थानीय और राष्ट्रीय स्तर के मुद्दों पर अपनी राय सामने रखें और बताएं कि पिछले 11 बरसों में भारत के विकास पर उनकी क्या राय है। अक्सर सर्वे एजेंसियां चुनाव से पहले अलग–अलग मुद्दों पर इसी तरह सर्वे कराती हैं, जिनमें लोगों से शीर्ष पद के लिए उनकी पसंद से लेकर किन मुद्दों पर वोट करेंगे जैसे सवाल किए जाते हैं। पूछा जाता है कि मौजूदा सरकार को वे कितने अंक देंगे, दोबारा मौका देंगे या नहीं, विपक्ष के लिए क्या संभावनाएं हैं। फिर सर्वे से हासिल आंकड़ों के आधार पर दल चुनावों को लेकर अपनी रणनीति बनाते हैं। जनता के जवाब से उन्हें अपनी गलतियों का पता चल जाता है और गलती सुधारने का मौका भी रहता है। लेकिन आजकल इसमें भी गफलत होने लगी है। अब राजनैतिक दल जनता पर मनोवैज्ञानिक दबाव बनाने के लिए भी सर्वे कराते हैं। जैसे किसी व्यक्ति विशेष को ही शीर्ष पद के योग्य दिखाकर उसे पक्ष में माहौल बनाया जाता है। या चुनावों में नैरेटिव तय करने में इन सर्वेक्षणों को जरिया बनाया जाता है। चुनावों के वक्त जो ओपिनियन पोल होते हैं, यह भी इसी खेल का हिस्सा है। अर्थात निष्पक्ष सर्वे करवाकर वास्तव में जनता की राय जानने की जगह राजनैतिक दल जनता को मानसिक तौर पर प्रभावित करते हैं कि वह वही सोचे और कहे, जो ये चाहते हैं। आजकल ऐसे सर्वे में मीडिया की भी बड़ी भूमिका हो चुकी है। इस पृष्ठभूमि में देखें तो नमो ऐप के जरिए श्री मोदी जनता की जो राय लेना चाहते हैं, उसकी सार्थकता और सत्यता दोनों पर सवाल उठते हैं। पहली बात तो यही अजीब लगती है कि देश के प्रधानमंत्री को जनता की राय जानने के लिए अपने ही नामाक्षर के ऐप पर निर्भर होना पड़ता है। एक–दो साल नहीं पूरे 11 बरस से नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री की कुर्सी पर बैठे हैं और देश–विदेश में वे लगातार घूमते हैं। खास कर चुनाव प्रचार के क्त वे दिल्ली में कम और चुनावी राज्य में अधिक दिखाई पड़ते हैं। लेकिन वे चाहते हैं कि जनता उनके फैसलों का मूल्यांकन करे। दूसरी बात अपने काम पर प्रधानमंत्री जनता की मुहर लगवाना चाहते हैं, यह अच्छी बात है, लेकिन क्या उन्हें विपक्ष की आलोचना को सुनने की हिम्मत नहीं दिखाना चाहिए। हाल ही में पहलगाम हमले से लेकर ऑपरेशन सिंदूर तक विपक्ष बार–बार संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर चुका है। दो–दो सर्वदलीय बैठकें हो गई हैं, लेकिन श्री मोदी एक भी बैठक में नहीं गए, न उन्होंने संसद का विशेष सत्र आयोजित किया। बल्कि अभी से मानसून सत्र की तारीख बता दी। जबकि संसद सत्र की तारीखें अमूमन हफ्ते भर पहले आती हैं, जो इस बार डेढ़ महीना पहले घोषित हो गईं। संसद में प्रधानमंत्री अपनी पूरी सरकार के साथ बैठें और विभिन्न फैसलों पर विपक्ष की राय सुनें तो उसी से 11 सालों का मूल्यांकन हो जाएगा। लेकिन ये रास्ता भी श्री मोदी ने नहीं चुना। तीसरी बात मीडिया के जरिए 11 बरसों का लेखा–जोखा हो सकता था। श्री मोदी ने अपने कार्यकाल के पहले साल से लेकर अब तक एक भी खुली प्रेस कांफ्रेंस नहीं की, यह अपने आप में एक शर्मनाक रिकार्ड है। लोकतंत्र में खुले संवाद में मीडिया की अहम भूमिका रहती है। लेकिन अभी भारतीय मीडिया की साख किस तरह दांव पर लगी है, इसका एक उदाहरण वाशिंगटन पोस्ट में छपे लेख से सामने आया है। जिसमें यह उजागर किया गया है कि भारत के प्रमुख न्यूज चौनलों ने 9 मई की रात पाकिस्तान में तख्तापलट और युद्ध जैसी मनगढ़ंत खबरें फैलाईं, जो पूरी तरह झूठी साबित हुईं। रिपोर्ट में बताया गया है कि किस तरह व्हाट्सएप संदेशों, अज्ञात सूत्रों और सोशल मीडिया अफवाहों के आधार पर भारतीय मीडिया ने एक काल्पनिक युद्ध का ताना–बाना बुना, जिसे न तो सेना ने पुष्टि की और न ही सरकार ने। वॉशिंगटन पोस्ट ने यह जानने के लिए कि देश की सूचना प्रणाली कैसे झूठ और भ्रम से भर गईकृऔर कैसे इसने एक निर्णायक क्षण के बारे में जनता की समझ को विकृत कर दिया, भारत के कुछ सबसे प्रभावशाली समाचार नेटवर्कों से जुड़े दो दर्जन से अधिक पत्रकारों और वर्तमान व पूर्व भारतीय अधिकारियों से बात की है, जिसका ब्यौरा इस लेख में दिया है। ऐसा नहीं है कि जिन पत्रकारों ने पाकिस्तान के शहरों को तबाह करने या तख्तापलट जैसी खबरें चलाईं, वो अनजाने में हुआ है। बल्कि यह सब मोदी सरकार को अपराजेय दिखाने के लिए किया गया। जबकि चौनलों के पत्रकार यह बेईमानी नहीं करते, तब भी भारत विजेता ही रहता, क्योंकि हमारी सेनाओं ने अद्भुत पराक्रम दिखाया। लेकिन देश से बड़ा सरकार को दिखाने में पत्रकारों ने अपने पेशे को भी दगा दे दिया। 11 सालों के शासन का एक शर्मनाक और शोचनीय पहलू यह भी है कि स्वतंत्र मीडिया सहर्ष गुलाम बनने तैयार हो गया है। श्री मोदी ऐसे गुलाम मीडिया के कुछ पत्रकारों को भले बिठाकर पहले से तैयार जवाब दे दें, लेकिन उनसे हकीकत सामने नहीं आएगी। सच्चाई का पता तो तभी लगेगा जब स्वतंत्र प्रेसवार्ता हो और उसमें सरकार के फैसलों पर, कामयाबियों और नाकामियों पर खुलकर सवाल पूछने दिए जाएं और श्री मोदी खुद उनका जवाब देने के लिए वहां बैठें। श्री मोदी अभी 11 सालों की खुशियां मना रहे हैं, जबकि तीसरा कार्यकाल पूरा होने में 4 साल और बाकी हैं। वैसे भारत में जनता की मर्जी हो तो श्री मोदी कितनी भी बार प्रधानमंत्री बन सकते हैं, उसमें कोई मनाही नहीं है। हमारा लोकतंत्र और संविधान इसकी इजाजत देता है, लेकिन श्री मोदी क्या केवल प्रधानमंत्री की कुर्सी चाहते हैं, या इस देश के लोकतंत्र को अपने पद से भी ऊपर रखना चाहते हैं, 11वें साल में यह मंथन भी वे कर लें।

बेवफाई के सनम

डॉ. दीपक पाचपोर

शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है।

पिछले एक पखवाड़े में इंदौर से विवाह के तुरंत बाद मेघालय हनीमून पर गए राजा रघुवंशी और उनकी पत्नी सोनम के अचानक लापता होने की गुत्थी ने पूरे देश का ध्यान खींचा। हालांकि, 23 मई को लापता होने के बाद राजा का शव दो जून को बरामद हो गया था, लेकिन सोनम के लापता होने की घटना निरंतर देशवासियों को परेशान करती रही। यहां तक कि मेघालय के लोगों के शेष भारत के लोगों के साथ कथित आक्रामक व्यवहार के नाम पर मेघालय के खिलाफ सोशल मीडिया पर अतिरंजित टिप्पणियां तक की जाती रहीं। लेकिन मेघालय पुलिस की गहन छानबीन के बाद इंदौर के तीन लोगों की गिरफ्तारी के बाद सोनम का उत्तर प्रदेश के गाजीपुर पुलिस के समक्ष समर्पण करना, इस पूरे कांड की कहानी ही बदल देता है। सवाल उठे कि मेघालय के जिस ईस्ट खासी हिल्स जिले में राजा का शव मिला वहां से एक हजार किलोमीटर से अधिक दूरी पर उ.प्र. के गाजीपुर सोनम कैसे पहुंची। अब इस रहस्यमय मामले पर से मेघालय, उत्तर प्रदेश व मध्यप्रदेश की पुलिस पर्दा उठाने की कोशिश में है। इंदौर के राजा दंपति का हनीमून मनाने मेघालय जाना, फिर दोनों का गायब होना, राजा का शव बरामद होना तथा सोनम के लापता होने का घटनाक्रम किसी फिल्मी कहानी की तरह आगे बढ़ता रहा। अब सोनम के परिजन उसे बेगुनाह बताने की कोशिश में हैं तो राजा का परिवार दोषियों को सजा देने की मांग कर रहा है। लेकिन सारे मामले में सोनम की भूमिका, उसके पिता की फर्म के कर्मचारी की गिरफ्तारी तथा सोनम की रहस्यपूर्ण ढंग से गाजीपुर पहुंचने की कहानी कई संदिग्ध सवालों को जन्म दे रही है। लोगों के दिमाग में सवाल हैं कि दोनों परिवारों की सहमति से 11 मई को हुई शादी का यह दुखांत क्यों? हालांकि, राजा की हत्या बहुत ही सुनियोजित तरीके से की गई, लेकिन गाइड द्वारा राजा–सोनम के साथ तीन अन्य लोगों की उपस्थिति की बात ने मेघालय पुलिस को हत्या के तार जोड़ने में मदद की। दरअसल, शिलांग पुलिस ने बताया था कि इंदौर के एक व्यक्ति की हत्या में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिसमें हनीमून के दौरान हत्या की साजिश रचने वाली उसकी पत्नी भी शामिल है। अब तक रहस्यमय तरीके से लापता बहू

के मिलने की प्रतीक्षा कर रहे राजा के परिवार को हकीकत जानकर सदमा लगा है। मेघालय पुलिस के दावे के बाद उन्होंने सोनम की तसवीरें जलाकर गुस्सा जाहिर किया है। सार्वजनिक विमर्श में ये सवाल उठाये जा रहे हैं कि जब दोनों परिवारों की सहमति से विवाह हुआ तो यह दुखांत क्यों? हाल के दिनों में मेरठ व देश के अन्य भागों में प्रेमी से मिलकर पति की हत्या करने के कई मामलों ने विवाह संस्था पर मंडराते संकट पर चिंता बढ़ाई है। सवाल उठा है कि परिवार की सहमति से धूमधाम से विवाह रचाने वाली सोनम ने आखिर ऐसा घातक कदम क्यों उठाया? जैसा कि बताया जा रहा है कि उसने अपने पुराने प्रेम संबंधों के लिये राजा को अपनी राह से हटाया। उसने खुद ही मेघालय की फ्लाइट बुक की और सुनियोजित तरीके से भारी–भरकम गहनों के साथ कथित हनीमून पर निकली। कभी पति–पत्नी के जिन रिश्तों को जन्म–जन्मांतर का साथ बताया जाता था, उन्हें हाथ की मेहंदी सूखने से पहले कत्ल किया जाना, हमारे समाज में बढ़ती संवेदनहीनता व अविश्वास को ही उजागर करता है। आखिर क्यों विवाह से पूर्व आरोपी ने घर वालों को दो टूक नहीं कहा कि वह किसी और से प्यार करती है? क्या उसे कथित अपने प्यार को पाने के लिये राजा की जान लेनी जरूरी थी? क्यों अपने व ससुराल पक्ष के लाखों रुपये शादी के नाम पर यूं ही जाया किये? घर में शादी की रौनक के बीच बेटे की लाश के आने का गम राजा के परिवार को सालों साल सालता रहेगा। निश्चित रूप से यह घटना करोड़ों रिश्तों में एक हुई है, लेकिन समाज में अविश्वास के बीज बोती तो नजर आती है। लोग ऐसी घटना का उल्लेख करते हुए होने वाले तथा हो चुके रिश्तों को संशय की दृष्टि से देखेंगे। जो किसी स्वस्थ समाज के लिये शुभ संकेत कदापि नहीं हैं।

जैविक कृषि से ही पर्यावरण का परिरक्षण संभवः डॉ. उमर अली शाह

पिठापुरम्। श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठ के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि आध्यात्मिक कृषि वह कृषि है जिसमें प्रकृति की पूजा की जाती है। प्रकृति में पर्यावरण की रक्षा की जाती है तथा जैविक प्राकृतिक तरीकों से मानव अस्तित्व के लिए आवश्यक स्वस्थ खाद्य उत्पाद प्राप्त किए जाते हैं।

एरुवाका पूर्णिमा उत्सव के उपलक्ष्य में पिठापुरम के काकीनाडा रोड स्थित नए आश्रम परिसर में बुधवार को आयोजित शस्य वृद्धि बीजरोपणोत्सव (फसल बुवाई)कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि जैविक कृषि अपनाकर पंच तत्वों की रक्षा की जा सकती है। पंच तत्वों से युक्त प्रकृति को बचाए रखने पर ही आने वाली पीढ़ियां सुरक्षित रह सकती हैं।

डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि एरुवाका पूर्णिमा,(फसल बुवाई) कृषि के लिए भूमि तैयार करने के समय मनाया जाने वाला उत्सव है। उन्होंने बताया कि वर्तमान समाज में किसानों में इस उत्सव की रुचि कम होती जा रही है, इसलिए पिछले 6 वर्षों से एरुवाका पूर्णिमा के दिन उनके आश्रम में एरुवाका की परंपरा का पालन किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि शस्य वृद्धि बीजरोपणोत्सव एक विशेष कार्यक्रम है जो आध्यात्मिक खेती की प्रक्रिया को प्रेरित करता है। उन्होंने सभी किसानों से पर्यावरण संरक्षण के लिए काम करने का आह्वान किया और इसके लिए उन्होंने प्रत्येक सदस्य को तीन पौधे लगाने उनकी देखभाल करने की जरूरत पथ बल दिया। उन्होंने कहा कि लगाया गया प्रत्येक पौधा एक ऑक्सीजन सिलेंडर

के बराबर है। एरुवाका पूर्णिमा के अवसर पर आश्रम परिसर में कृषि क्षेत्र में आयोजित एरुवाका कार्यक्रम में डॉ. उमर अली शाह ने मुख्य अतिथियों के साथ भाग लिया। बाद में आयोजित बैठक में प्राकृतिक खेती करने वाले प्रतिष्ठित किसानों दारापु रेड्डी वेंकन्ना, (एल. अग्रहारम।) दरलंका सुरीबाबू (मल्लेपल्ली) यंड्रा चंद्रावती (रघुदेवपुरम)

दासरी पेद्दानगेश्वर राव (बावजीपेट) गुल्लापल्ली वीरभद्र राव (इसुकपल्ली उप्पारागुडेम) को सम्मानित किया गया। इसके बाद, पश्चिमी गोदावरी जिले के चीमलावारी गुडेम के आध्यात्मिक प्राकृतिक किसान, प्रशिक्षक और प्रचारक चिमला वेंकटेश को परब्रह्म मोहियुद्दीन बादशाह आध्यात्मिक कृषि–2025 पुरस्कार प्रदान किया गया। इस पुरस्कार के तहत उन्हें दस हजार रुपये की नकद और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

बाद में, प्रोफेसर जयशंकर तेलंगाना राज्य कृषि विश्वविद्यालय के मुख्य वैज्ञानिक नादिमपल्ली रामगोपाल वर्मा ने किसानों को ड्रोन से खेती, इसके बहुउद्देशीय उपयोग और ड्रोन पायलट प्रशिक्षण के बारे में सविस्तार बताया।

अंबाजीपेट बागवानी अनुसंधान केंद्र के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एन.बी.वी. चलपति ने विभिन्न फसलों में जैविक नियंत्रण विधियों के बारे में बताया। आंध्र प्रदेश सरकार के पूर्व संयुक्त सचिव और प्राकृतिक खेती के विशेषज्ञ वासमसेट्टी सत्यनारायणमूर्ति, गोली सुभाष, पृथ्वीराज कथारी, पोटरु शशिकांत ने एकीकृत जैविक खेती के बारे में बताया। गाय पर निर्भर प्राकृतिक खेती के प्रति उत्साही कैप्टन अज्जारापु मल्लिकार्जुन राव, एस्सार कॉरपोरेशन के पूर्व सीईओ जी.वी. कृष्णमराजू ने गाय आधारित प्राकृतिक खेती के बारे में बताया।

इसके बाद पीठाधिपति द्वारा मुख्य अतिथियों का अभिनंदन किया गया तथा स्मृति चिन्ह भेंट किये गये।

अंत में, पुरस्कार विजेता किसानों और मुख्य अतिथियों ने पीठम के नौवें पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह को सम्मानित किया और पर्यावरण संरक्षण के लिए पीठम द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।इस कार्यक्रम में पीठम केंद्रीय समिति के सदस्य एवीवी सत्यनारायण, एनटीवी प्रसाद वर्मा, संयोजक पेरुरी सूरी बाबू, अहमद अली शाह, हुसैन शाह, पीठम मीडिया संयोजक अकुला रवि तेजा, कोरुपल्ली अप्पलस्वामी और अन्य ने भाग लिया।

ऑपरेशन सिंदूरः संसद से क्यों भाग रही है मोदी सरकार?

राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, मोदी सरकार ने पहलगाम के आतंकवादी हमले और उसके बाद, ‘ऑपरेशन सिंदूर’ समेत पूरे घटनाक्रम पर संसद में अलग से चर्चा कराए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। बेशक, मोदी सरकार ने सीधे–सीधे इस मांग को नहीं ठुकराया है। सच तो यह है कि आधिकारिक रूप से तो उसने इस समूचे घटनाक्रम पर संसद का विशेष सत्र बुलाए जाने की विपक्ष की लगभग पूरी तरह से एकजुट मांग को दर्ज तक करना जरूरी नहीं समझा है, तब इस मांग को स्वीकार किए जाने का तो सवाल ही कहां उठता था। मोदीशाही ने संसद के विशेष सत्र की मांग को ठुकराया है, संसद के आगामी मानसून सत्र की तारीखों की समय से पहले घोषणा करने के जरिए। सरकार के फैसले के अनुसार, संसद का मानसून सत्र 21 जुलाई से होने जा रहा है। कहने की जरूरत नहीं है कि संसद के विशेष सत्र तथा पूरे घटनाक्रम पर संसद में बहस की बढ़ती मांगों की ही काट करने के लिए, अभी से अगले सामान्य सत्र की तारीखों की घोषणा कर दी गयी है। प्रस्तावित सत्र से डेढ़ महीने से भी ज्यादा पहले, 4 जून को इन तारीखों के ऐलान से इसमें किसी शक की गुंजाइश नहीं रह जाती है कि संसद के विशेष सत्र की मांगों को खारिज करने के लिए ही, इतने पहले से प्रस्तावित सामान्य सत्र की तारीखों का ऐलान किया गया है। सामान्यतरू सत्र के शुरू होने की तारीख के ज्यादा से ज्यादा दो–तीन सप्ताह पहले ही, आगामी सत्र की तारीखों की घोषणा की जाती रही है। मोदी निजाम और उसके अंतर्गत संसद के अब तक के आचरण को देखते हुए, यह अनुमान लगाना मुश्किल नहीं है कि सरकार ने अपनी तरफ से तो, पहलगाम की घटना और उसके बाद के घटनाक्रम पर फोकस्ड या विशेष रूप से केंद्रित बहस का रास्ता रोकने का मन बना लिया है। विशेष सत्र की मांग खारिज कर, सामान्य संसदीय सत्र को आगे किए जाने का, इसके सिवा और कोई अर्थ है। इस तिकड़म के जरिए, न सिर्फ इस चर्चा के तत्काल आवश्यक होने को नकार दिया गया है, इसके सहारे इसे सामान्य संसदीय सत्र के अनेक अन्य मुद्दों में से एक बनाकर, मामूली बनाने की ही कोशिश की जाएगी। इस खेल को मणिपुर के घटनाक्रम पर संसद में बहस का जो हश्र हुआ था, उसके उदाहरण से समझा जा सकता है। केंद्रित बहस के बजाय, ज्यादा से ज्यादा एक सामान्य विस्तृत बहस की इजाजत दी जाएगी।

पूर्वोत्तर को अराजकता में डाल सकती है

डॉ. ज्ञान पाठक

पूर्वोत्तर भारत में सबसे मुखर हिंदुत्व चेहरा, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा शर्मा, जिन्होंने अतीत में सांप्रदायिक आग को भड़काने का शौक दिखाया है, अब ऐसा लगता है कि उन्होंने हथियारों के संघर्ष की और भी भयानक आग के साथ खेलने का फैसला किया है, अगर राज्य में उनकी नयी हथियार नीति किसी भी तरह का संकेत देती है। उनके नेतृत्व में भाजपा के नेतृत्व वाली असम सरकार द्वारा नागरिकों के हाथों में अधिक हथियार देने का निर्णय पूरे पूर्वोत्तर में उग्रवादी और सांप्रदायिक हिंसा को और बढ़ायेगा, जो पहले से ही काफी समय से इस तरह के खतरे से पीड़ित है। हिमंत विस्वा शर्मा बांग्लादेश के पास सीमावर्ती क्षेत्रों में स्वदेशी लोगों को हथियार देने के पक्ष में हैं। उन्होंने 29 मई, 2025 को स्पष्ट किया कि असम की नयी अस्त्र लाइसेंस नीति अरुणाचल प्रदेश, मेघालय, मिजोरम और नागालैंड की सीमा से लगे क्षेत्रों पर लागू नहीं होगी, क्योंकि ये क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं माने जाते हैं। उनके बयान से दो बातें उभर कर आईं – पहली, बांग्लादेश से लगे असम के सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील हैंय और दूसरी, अन्य पूर्वोत्तर राज्यों से लगे सीमावर्ती क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से संवेदनशील नहीं हैं, हालांकि ये क्षेत्र ऐतिहासिक रूप से सीमा विवादों और सशस्त्र संघर्षों में शामिल रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि बांग्लादेश से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगे सीमावर्ती क्षेत्र संवेदनशील रहे हैं, और उनकी सरकार स्पष्ट रूप से इसका संकेत देती दिखती है। सवाल यह है कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है? देश के हर नागरिक के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा की गारंटी भारत के संविधान द्वारा दी गयी है, और सरकारें इसकी गारंटी लेती हैं। सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वाले लोग केवल इसलिए असुरक्षित हैं क्योंकि केंद्र अंतरराष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करने में अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रहा है, और असम सरकार अपनी सीमा के भीतर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा करने में असमर्थ है। केंद्र और असम में भाजपा सरकार हमेशा बांग्लादेश से घुसपैठ रोकने की अपनी जिम्मेदारी विपक्ष पर डालने की कोशिश करती रही है, बार–बार देश को बताती रही है कि विपक्षी राजनीतिक दल अपने वोट बैंक के लिए बांग्लादेश से मुस्लिम घुसपैठियों को अनुमति देते रहे हैं। भाजपा की डबल इंजन सरकारें क्या कर रही हैं – असम में 2016 से और केंद्र में 2014 से? बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा पर रहने वाले लोग यदि असुरक्षित हैं तो क्या यह उनकी सरकार की विफलता नहीं है? नागरिकों की सुरक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। अगर सरकारें अपनी शक्तिशाली प्रशिक्षित सेना और सशस्त्र पुलिस बल के साथ सुरक्षा नहीं दे सकती हैं, तो नागरिक केवल हथियारों की आपूर्ति से खुद की रक्षा कैसे कर सकते हैं? नागरिक न तो खुद की रक्षा कर सकते हैं और न ही अपने हथियारों की। हमने हाल ही में मणिपुर में इसे देखा है, जहां विद्रोही या उग्रवादी समूहों द्वारा सशस्त्र बलों से हथियार लूटे गये थे। असम के मुख्यमंत्री ने स्पष्ट रूप से इससे कोई सबक नहीं लिया है। यही कारण है कि कैबिनेट नोट में कहा गया है कि नीति का उद्देश्य गैरकानूनी खतरों के लिए निवारक के रूप में कार्य करना और स्वदेशी समुदायों की व्यक्तिगत सुरक्षा और आत्मविश्वास में सुधार करना है।

नारी प्रति संवेदना

नारी की तो अजब कहानी, महिमा इसकी न्यारी है।
नारी से नारायण होते,सबकी तो महतारी है।

नारी रूप अनेकों में है, पहले बेटी कहलाती।
जाती है ससुराल वही जब, फिर वह पत्नी बन जाती।

समय–समय पर रूप बदलता,जगत दायनी कहलाती।
जिम्मेदारी पग–पग पर तो,नयी तरह की आ जाती।

शिशु का बोझ लिए नौ माह, उसमें ही खो जाती है।
हर कष्टों से करे सामना, रूप बदलती जाती है।

फिर तो नानी,दादी से अब, नामकरण होता जाता।
नीव कहां थी,साख कहां अब, समय –समय बदला करता।

नारी की महिमा को देखो, घर को वही बसाती है।
जीवन के अपने पन्ने से, त्याग हमें सिखलाती है।

सदा समस्या हर रूपों में,अम्बर से तो उसे मिला।
फिर तो देती खुशियां सबको, खिला–खिला जो रूप मिला।

नारी का मुख मण्डल देखो,कितनी प्यारी लगती है।
दिल का दर्द लिए आंसू संग, आंचल से पी जाती है।

देवी प्रसाद पाण्डेय, प्रयागराज
7081072837

जुड़वा बच्चों की मां श्रद्धा का नहीं थम रहा ग्लैंर, स्किनफिट ड्रेस में दिखाया गजब का फिगर

> हमेशा ही अपनी खूबसूरती और स्टाइल से लोगों का दिल जीतने वाली ३७ साल की श्रद्धा यहां वेस्टर्न लुक में नजर आईं। इस फ्रेंड डे आउट के लिए एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर की बॉडीकॉन ड्रेस को सिलेक्ट किया जिसमें उनका अंदाज ग्लैमर से भरपूर लगा।

टीवी की जानी मानी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्य अब जुड़वा बच्चों की मां बनने के बाद जिंदगी के नए फेज को एंजॉय कर रही हैं। लेकिन, बच्चों से थोड़ा समय निकालकर अब एक्ट्रेस अपने गर्ल गैंग के साथ लंच डेट पर गईं। हमेशा ही अपनी खूबसूरती और स्टाइल से लोगों का दिल जीतने वाली 37 साल की श्रद्धा यहां वेस्टर्न लुक में नजर आईं। इस फ्रेंड डे आउट के लिए एक्ट्रेस ने ऑरेंज कलर की बॉडीकॉन ड्रेस को सिलेक्ट किया जिसमें उनका अंदाज ग्लैमर से भरपूर लगा। ऑरेंज कलर की इस ड्रेस को स्ट्रैपी स्लीव्स के साथ अटैच किया गया जिसकी डीप स्क्वायर नेकलाइन को हल्का काउल इफेक्ट दिया जो इसे क्लासी टच दे रहा है। जूलरी की बात करें तो श्रद्धा ने इसे एकदम मिनिमल रखा। हाथ में ब्रेसलेट और वेडिंग रिंग के अलावा हसीना ने हूप्स ईयररिंग्स पहने और स्ट्रैपी सिल्वर शाइनी हील्स के साथ इसे पूरा किया। श्रद्धा की ड्रेस में भले ही ज्यादा एलिमेंट्स न हो लेकिन उन्होंने लग्जरी ब्रांड स्वनपे टनपजजवद का बैग इसके साथ कैरी करके लुक को क्लासी बना दिया। नेहा धूपिया ने दीपिका की 8 घंटे शिफ्ट वाली डिमांड को ठहराया जायज, कहा–न्यू मॉम्स को सपोर्ट की जरूरत होती, लेकिन उन्हें साइड बबॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण स्पिरिट में लिमिटेड शिफ्ट टाइमिंग वाली डिमांड को लेकर खूब सुर्खियों में आई थीं। उनकी इस डिमांड का फिल्म मेकर मणिरत्नम से लेकर पंकज त्रिपाठी सपोर्ट कर चुके हैं। वहीं, अब एक्ट्रेस नेहा धूपिया ने भी इस मामले पर अपनी चुप्पी तोड़ी है और कहा कि दीपिका की मांग बिल्कुल जायज है और वो इसका सपोर्ट करती हैं। नेहा धूपिया ने इंस्टाग्राम पर एक स्टोरी शेयर कर लिखा–वर्क लाइफ बैलेंस को बातचीत से परे ले जाने के लिए, न्यू मॉम्स को प्रैक्टिकल सपोर्ट और कंसिडेरेशन की जरूरत होती है। इसके बजाय, हमें अक्सर शर्मिंदा किया जाता है या साइडलाइन कर दिया जाता है। एक कामकाजी मां के तौर पर, मैं दीपिका पादुकोण के सही वर्किंग आवर के लिए उनकी जायज रिक्वेस्ट का सपोर्ट करती हूं। इससे पहले मणिरत्नम ने भी दीपिका पादुकोण का सपोर्ट करते हुए कहा था–मुझे लगता है कि उनकी मांग बिल्कुल जायज है। मुझे खुशी है कि वो ये मांगने के काबिल हैं। मुझे लगता है कि एक फिल्म मेकर के तौर पर आपको कास्टिंग करते समय इस बात का ध्यान रखना चाहिए। ये डिमांड बिल्कुल भी गलत नहीं है, लेकिन ये सबसे बड़ी जरूरत है। मुझे लगता है कि ये प्रायरिटी होनी चाहिए। आपको इसे मानना होगा, इसे समझना होगा और इसके इर्द–गिर्द काम करना होगा। बता दें कि दीपिका पादुकोण पहले प्रभास स्टारर फिल्म स्पिरिट का हिस्सा थीं। बाद में ऐसी खबरें आईं कि फिल्म डायरेक्टर संदीप रेड्डी वांगा से एक्ट्रेस ने लिमिटेड वर्किंग हावर की डिमांड की थीं कहा ये भी जा रहा था कि दीपिका ने स्पिरिट के लिए 40 करोड़ रुपए फीस भी मांगी थी। इस विवाद के बाद दीपिका फिल्म से बाहर हो गईं जिसके बाद एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी ने उन्हें रिप्लेस किया।

प्रकाश पादुकोण के 70वें जन्मदिन पर दीपिका पादुकोण ने मनाया खास जश्न

बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने पिता और बैडमिंटन लेजेंड प्रकाश पादुकोण के 70वें जन्मदिन पर एक खास तोहफा दिया। दीपिका ने पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन (पीएसबी) की शुरुआत की है, जिसका मकसद पूरे देश में बैडमिंटन को बढ़ावा देना है। 10 जून 2025 को दीपिका ने अपने पिता प्रकाश पादुकोण के जन्मदिन पर पादुकोण स्कूल ऑफ बैडमिंटन की शुरुआत की है। दीपिका ने सोशल मीडिया पर इसकी घोषणा करते हुए लिखा–मैंने बचपन में बैडमिंटन खेला और जाना कि यह खेल शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से कितना बदलाव लाता है। पीएसबी के जरिए हम बैडमिंटन का आनंद और अनुशासन हर किसी तक पहुंचाना चाहते हैं। उन्होंने अपने पिता की तारीफ करते हुए कहा–पापा, आपका बैडमिंटन के प्रति जुनून बेमिसाल है। 70 साल की उम्र में भी आप इस खेल के लिए जीते हैं। हम आपके सपने को सच करने के लिए प्रतिबद्ध हैंरू बैडमिंटन फॉर ऑल! पीएसबी ने पहले साल में ही 18 शहरों में 75 ग्रासरूट कोचिंग सेंटर्स खोले हैं। इनमें बेंगलुरु, दिल्ली–एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, जयपुर, पुणे, नासिक, मैसूर, पानीपत, देहरादून, उदयपुर, कोयंबटूर, सांगली और सूरत जैसे शहर शामिल हैं। दीपिका इस स्कूल की फाउंडर हैं जबकि प्रकाश पादुकोण सलाहकार और मेंटर की भूमिका निभाएंगे। पीएसबी का लक्ष्य 2025 के आखिर तक 100 सेंटर्स और 2027 तक 250 सेंटर्स खोलना है ताकि बैडमिंटन को हर वर्ग तक पहुंचाया जा सके।

विक्रांत मैसी की गहरी सोच से सम्राट पृथ्वीराज की गाथा को मिला नया अर्थ और सम्मान

विक्रांत मैसी का श्पृथ्वीराजश एक विक्टिम नहीं, बल्कि विजेता की तरह सामने आता है। हमारे देश में जहां ऐतिहासिक कहानियां बार–बार श्रद्धा के साथ दोहराई जाती हैं, वहां कुछ नया और सच में अलग दिखाने के लिए हिम्मत और नजरिया चाहिए। विक्रांत मैसी की नजर वहां भी कुछ खास देख लेती है, जहां बाकी लोग सिर्फ एक और इतिहास की कहानी मान लेते हैं। हाल ही में उन्होंने सोनी टीवी के शो चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान को लेकर एक पोस्ट शेयर किया, जो शुरुआत में तो बस तारीफ लग रही थी, लेकिन धीरे–धीरे वो एक गंभीर सोच बन गई कृ कि हम सब पृथ्वीराज चौहान जैसे महान शासक को किस नजरिए से समझते आए हैं। यह शो देखने के बाद विक्रांत मैसी ने इतिहास के प्रति अपनी पुरानी दिलचस्पी को एक बार फिर टटोलना शुरू किया, लेकिन उनके लिए इतिहास सिर्फ तारीखों और घटनाओं का सिलसिला नहीं, बल्कि आज की सोच को समझने का एक आईना है। आमतौर पर जो कहानी सुनाई जाती है, उसमें पृथ्वीराज चौहान को वो राजा बताया जाता है जो मोहम्मद गौरी से हार गया। लेकिन विक्रांत ने इस नजरिए को चुनौती दी। उन्होंने बताया कि पृथ्वीराज ने गौरी को सोलह बार हराया था और अंत में हार छल से हुई थी, कमजोरी से नहीं। लेकिन विक्रांत की बात यहीं खत्म नहीं हुई। उन्होंने एक ऐसा पहलू सामने रखा, जिस पर बहुत कम लोग ध्यान देते हैं कि इतिहास अपने किरदारों को कैसे याद रखता है। पृथ्वीराज चौहान की धरती, उनके लोग और उनके आदर्श आज भी दिल्ली, अजमेर और राजपुताना में जिंदा हैं। वहीं, मोहम्मद गौरी का इलाका इतिहास की धुंध में कहीं खो चुका है। विक्रांत ने कहा, "किसी सभ्यता का पतन एक लड़ाई से तय नहीं होता," और ये याद दिलाया कि असली हार हारने में नहीं, भुला दिए जाने में है। इस बात को खास बनाता है सिर्फ इतिहास की बात नहीं, बल्कि वो तरीका है जिससे विक्रांत इसे महसूस करते हैं। बरसों से पृथ्वीराज को बस एक हारा हुआ राजा मान लिया गया है। लेकिन विक्रांत की नजर में वो कोई हारने वाला नहीं, बल्कि ऐसा शख्स है जो आखिरी वक्त तक डटा रहा। ना हिम्मत टूटी, ना सोच बदली। एक ऐसा राजा जिसकी विरासत आज भी करोड़ों दिलों में जिंदा है, जबकि उसे हराने वाला जाहिर तौर पर सांस्कृतिक यादों से गायब हो चुका है। यही तो खास बात है। यह सिर्फ एक पोस्ट नहीं है, बल्कि ये याद दिलाना है कि सही कहानी बताने वाला और सही नजरिया पूरी कहानी को कैसे बदल सकता है। विक्रांत मैसी ने अपनी गहरी समझ और साफ सोच के साथ पृथ्वीराज की कहानी को सिर्फ एक दुखद अंत के तौर पर नहीं, बल्कि एक जिंदादिल जीत के रूप में पेश किया है। जब ऐतिहासिक ड्रामे अक्सर एक जैसे लगने लगते हैं, तब विक्रांत मैसी की नजर से श्चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहानश एक झकझोर देने वाली बात बन जाती है। विक्रांत मस्सी, जो सिर्फ बेहतरीन कलाकार ही नहीं बल्कि पढ़े–लिखे शख्स भी हैं, उनके कारण हम इस कहानी की असली, सच्ची और जीत वाली भावना को देख पा रहे हैं।

राजा रघुवंशी की हत्या पर किया कंगना रनौत ने रिएक्ट, सोनम रघुवंशी को बताया बेवकूफ महिला

मेघालय में हनीमून पर गए राजा रघुवंशी की हत्या के मामले ने इंटरनेट पर तूफ़ान मचा दिया है। भाजपा सांसद–अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर मेघालय हनीमून हत्याकांड पर प्रतिक्रिया देते हुए एक लंबा नोट लिखा है। उन्होंने राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी को 'बेवकूफ' कहा और कहा कि यह हत्या 'क्रूर, जघन्य और निर्दयी' है। अभिनेत्री कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर लिखा– यह कितना बेतुका है!! महिला शादी के लिए मना नहीं कर सकती क्योंकि वह अपने माता–पिता से डरती है, लेकिन वह सुपारी किलर के साथ एक निर्मम हत्या की योजना बना सकती है, यह सुबह से मेरे दिमाग में था, लेकिन मैं इसे समझ नहीं पा रही हूँ!!! उफ्फ अब सिरदर्द हो रहा है!! वह तलाक भी नहीं ले सकती थी क्या या अपने प्रेमी के साथ भाग भी नहीं सकती थी क्या। कितना क्रूर, जघन्य और सबसे बढ़कर बेतुका और बेवकूफ। मूर्ख लोगों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए, वे किसी भी समाज के लिए सबसे बड़ा खतरा हैं... हम अक्सर उन पर हंसते हैं और सोचते हैं कि वे हानिरहित हैं, लेकिन यह सच नहीं है, बुद्धिमान लोग अपने फायदे के लिए दूसरों को नुकसान पहुंचा सकते हैं, लेकिन याद रखें कि एक मूर्ख व्यक्ति को पता नहीं होता कि वह क्या कर रहा है!!! अपने आस–पास के मूर्खों से सावधान रहें। राजा और सोनम 23 मई को लापता हो गए थे, जब वे मेघालय में अपने हनीमून पर थे। हालांकि, 2 जून को वेइसाडोंग झरने के पास एक घाटी में राजा का शव मिलने के बाद यह हत्या की जांच में बदल गया, जबकि सोनम लापता थी। मेघालय पुलिस को संदेह था कि सोनम ने अपने पति की हत्या के लिए कथित तौर पर हत्यारों को किराए पर लिया था। मध्य प्रदेश पुलिस की अपराध शाखा के अधिकारियों ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि 21 वर्षीय राज कुशवाह, जिस पर मेघालय में सोनम रघुवंशी के साथ अपने पति राजा की हत्या की साजिश रचने का भी संदेह है, ने जोड़े की शादी के कुछ दिनों बाद ही उसे मारने की योजना बनाई थी। पुलिस के अनुसार, सोनम ने रविवार रात गाजीपुर जिले के नंदगंज पुलिस स्टेशन के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि कुशवाह को इंदौर में गिरफ्तार किया गया। पीटीआई के अनुसार, सोनम के अलावा चार अन्य आरोपी हैं – आकाश राजपूत, विशाल सिंह चौहान, राज सिंह कुशवाह और आनंद। इन सभी को मध्य प्रदेश के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया गया।

स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित तनिष्ठा चटर्जी, करवा चुकीं 6 कीमोथेरेपी सेशन, 40 पार महिलाओं को दी जरूरी सलाह

फिल्म इंडस्ट्री की जानी–मानी एक्ट्रेस, निर्देशक और एक सिंगल मदर तनिष्ठा चटर्जी आज अपनी जिंदगी के सबसे कठिन दौर से गुजर रही हैं। चार महीने पहले उन्हें एक गंभीर बीमारी– मेटास्टेटिक ब्रेस्ट कैंसर (स्टेज प्ट)– का पता चला। यह सुनना उनके लिए किसी वज्रपात से कम नहीं था। कुछ महीनों पहले ही तनिष्ठा ने अपने पिता को कैंसर जैसी ही बीमारी के चलते खो दिया था, लेकिन समय ने उन्हें दूसरी चुनौती दे दी– उनकी खुद की सेहत अब दांव पर थी। इस दौरान तनिष्ठा के जीवन में हर चीज जैसे बिखरने लगी, मगर उन्होंने हार नहीं मानी। जब कैंसर की चौथी स्टेज से जूझने की तनिष्ठा को खबर मिली, उस समय वह एक फिल्म के निर्देशन में व्यस्त थीं। उनका पूरा ध्यान अपने काम पर था। ऐसे में बीमारी की यह खबर न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक रूप से भी उन्हें तोड़ने के लिए काफी थी। लेकिन तनिष्ठा की मानसिक दृढ़ता ने उन्हें झुकने नहीं दिया। उन्होंने कहा, मेरे जीवन में सब कुछ बिखर गया है, लेकिन मैं टूटी नहीं हूं। मेरे इस अनुभव से सबसे बड़ी सीख मानवता है। लोग परवाह करते हैं, आपको बस उन तक पहुंचने की जरूरत है। जब उन्हें अपने ब्रेस्ट कैंसर का पता चला तो वह सदमे में आ गई थीं और ये सब तब हुआ जब वह एक फिल्म बना रही थीं। उन्होंने कहा, पहली बार, मैं मजबूत होने से थक गई हूं। पिछले साल, मैंने अपने पिता को कैंसर की वजह से खो दिया। मेरे पास शोक करने का कोई समय नहीं था क्योंकि मुझ पर मेरी मां, जो 70 साल की हैं और मेरी बेटी, जो 9 साल की है, उनकी जिम्मेदारी थी। मुझे उनके लिए मजबूत होना था। अपने पिता को खोने के पांच दिनों के भीतर, मैं अपनी फिल्म एक रुका हुआ फैसला के सेट पर वापस आ गई थी। मुझे नहीं पता था कि मैं क्या कर रही थी। मैंने उनके पसंदीदा गाने सुने और खुद को याद दिलाया कि मुझे आगे बढ़ना है। मेरा मानना है कि यह सब आपके स्वास्थ्य पर भारी पड़ सकता है। जब मुझे स्टेज 4 ब्रेस्ट कैंसर का पता चला तो मैंने सोचा मेरे साथ ऐसा क्यों हुआ? क्या यह कर्म है? मैं तबाह हो गई थी। तनिष्ठा चटर्जी ने कहा, श्दोस्त, अध्यात्म और योग मुझे इससे निपटने में मदद कर रहे हैं। बीमारी एडवांस स्टेज में है, लेकिन डॉक्टरों ने मुझे यह विश्वास दिलाया है कि मैं ठीक हो जाऊंगी। मैंने 6 कीमोथेरेपी सेशन करवाए हैं। जब आप अत्यधिक बाल झड़ने, वजन कम होने, भौंहों के पतले होने का सामना करते हैं तो यह आप पर भारी पड़ता है। एक्ट्रेस ने आगे सलाह देते हुए कहा, अपने स्वास्थ्य को कभी हल्के में न लें, चाहे आप कितने भी स्वस्थ हों। मुझे इस बात पर बहुत गर्व था कि मुझे पहले कभी किसी हेल्थ प्रॉब्लम का सामना नहीं करना पड़ा। वास्तव में मैं इसलिए घमंडी थी क्योंकि मैं स्वस्थ थी। मुझे लगता था कि मुझे कभी कुछ नहीं होगा। मेरे पापा बहुत फिट थे और जब तक उन्हें ल्यूकेमिया का पता नहीं चला, तब तक वे कभी डॉक्टर के पास नहीं गए। मैं यहां यह कहना चाहती हूं कि आपको अपने स्वास्थ्य को कभी हल्के में नहीं लेना चाहिए, चाहे आप कितने भी फिट क्यों न हों। मैं 40 वर्ष से अधिक उम्र की महिलाओं को मैमोग्राफी करवाने की सलाह दूंगी क्योंकि समय रहते पता लग जाना फायदेमंद हो सकता है। मैंने गलती की। मुझे लगा कि मैं अपवाद हूं, लेकिन ये किसी को भी हिट कर सकता है। उन्होंने कहा–मैंने अपनी बेटी को अमेरिका भेजा क्योंकि मैं उसका बचपन बचाना चाहती थीश उन्होंने बताया कि उनके लिए सबसे मुश्किल फैसलों में से एक था अपनी छोटी बेटी को अपनी बहन के साथ रहने के लिए अमेरिका भेजना। एक्ट्रेस ने कहा, मेरी बेटी सोचती है कि मैं एक सुपरवुमन हूं और मैं चाहती हूं कि वह ऐसा ही मानती रहे। कुछ लोगों का मानना है कि बच्चों को सब कुछ बता देना चाहिए, लेकिन मैं उसे प्रोटेक्ट करना चाहती थी।

अपनी पसंदीदा खीर को बनाएं हेल्दी, बस अपनाएं ये 4 टिप्स

हर भारतीय घरों में बनाया जाने वाला डेजर्ट खीर है। किसी भी शुभ अवसर हो या फिर कोई फेस्टिवल, तो लोग अक्सर मुंह मीठा करने के लिए खीर जरुर बनाते हैं। आमतौर पर व्रत–उपवास के दौरान भी खीर बनाई जाती है। अपने टेस्ट के अनुसार, चावल, साबूदाना से लेकर मखाना तक कई तरह की खीर बनाते हैं। जिन लोगों को अपनी फिटनेस को लेकर अधिक ख्याल रहता है, वे लोग खीर खाना पसंद नहीं करते हैं। दरअसल, इसमें बहुत अधिक मात्रा में चीनी और फुल फैट मिल्क का इस्तेमाल किया जाता है। चलिए आपको इस लेख में हम आपको ऐसे ही कुछ टिप्स के साथ आपकी फेवरिट खीर को अधिक हेल्दी बना सकते हैं।

लो फैट मिल्क का यूज करें

खीर बनाते समय में आप लो फैट मिल्क का इस्तेमाल करें। अगर आप चाहे तो अपनी खीर को डेयरी फ्री बना सकते हैं। इसकी जगह आप बादाम दूध, सोया दूध और नारियल के दूध का प्रयोग कर सकते हैं। वहीं, आप वीगन डाइट पर हैं या लैक्टोज इनटॉलरेंट हैं तो ऐसे में नॉन–डेयरी मिल्क ऑप्शन को चुनना अच्छा विचार है।

नेचुरल स्वीटनर का इस्तेमाल करें

कई लोग खीर इसलिए भी नहीं खाते, क्योंकि इसमें चीनी की मात्रा अधिक होती है। जिस वजह से कैलोरी काउंट बढ़ जाता है। इसके लिए आप अपनी खीर को चीनी की जगह नेचुरल स्वीटनर की मदद से मीठा बनाएं। खीर में चीनी की जगह आप शहद, खजूर, मेपल सिरप या गुड़ का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मसालों का करें इस्तेमाल

जब खीर बनाते हैं तो कम मसालों का प्रयोग किया जाता है। अगर आप खीर बनाते समय इसमें इलायची, दालचीनी या जायफल का इस्तेमाल करेंगे तो यह और भी हेल्दी बन जाएगा। दरअसल, इन मसालों में एंटी–ऑक्सीडेंट गुण ब्लड शुगर लेवल को मेंटन करता है।

ब्राउन राइस या क्विनोआ का इस्तेमाल करें

आमतौर पर जब लोग खीर बनाते हैं तो सफेद चावल का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन खीर में फाइबर और अन्य पोषक तत्वों को बढ़ाने के लिए सफेद चावल की जगह ब्राउन राइस या क्विनोआ का प्रयोग कर सकते हैं। बता दें कि इससे ग्लाइसेमिक इंडेक्स कम होता है और ये आपको लगातार ऊर्जा प्रदान करता है।

लू लगने से भी बचाता है पुदीना, जानें इसके हैरान कर देने वाले फायदे

पुदीना एक ऐसा पौधा है जिसकी पत्तियों की चटपटी चटनी, भोजन का स्वाद दोगुना कर देती हैं। खाने की थाली में पुदीने की चटनी देखकर भूख और बढ़ जाती है लेकिन सिर्फ स्वाद ही नहीं बल्कि पुदीने की पत्तियों में बहुत से औषधीय गुण भी मौजूद होते हैं जो शरीर को कई तरह से फायदा पहुंचाते हैं। इन छोटी छोटी पत्तियों में विटामिन–ए, विटामिन–सी, पोटैशियम, आयरन, कैल्शियम, एंटी–वायरल, एंटी–माइक्रोबियल, एंटीऑक्सीडेंट और थायमीन जैसे कई तत्व पाए जाते हैं। चलिए आपको इसके फायदे बताते हैं।

–लू से बचाए पुदीना

गर्मी के मौसम में पुदीने की ड्रिंक शरीर को हाइड्रेट रखने में मदद करती है। यह पेट को ठंडा रखता है और हीट स्ट्रोक के खतरे को कम करता है। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और जिन्हें सीने की जकड़न और बलगम की समस्या रहती है उन्हें भी पुदीने का सेवन करना चाहिए। इससे गला साफ हो जाता है जिससे आप खुलकर सांस ले पाते हैं।

गैस और ब्लोटिंग की सम्स्या

पेट और आंत के लिए पुदीने का जूस और चाय बहुत ही फायदेमंद है। इसमें मौजूद विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट्स इम्यूनिटी को बूस्ट करता है। यह पेट मे होने वाली गलत क्रिया को शांत करता है।

त्वचा की करें मरम्मत

जैसे कि हमने पहले ही बताया कि इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है और यह डेड स्किन को भी रिपेयर करता है। त्वचा के छिद्रों को साफ कर उसे टाइट करता है। ब्लैक हेड्स से छुटकारा दिलाता है।

पुदीने के अन्य लाभकारी गुण

मुंह से गंदी बदबू आती है तो भी यह पत्तियां फायदेमंद है। इन पत्तियों को साफ कर चबाएं। इससे मुंह में मौजूद बैक्टीरिया और संक्रमण ठीक होगा।

गर्मी की वजह से सिर में दर्द रहता है तो पुदीने के तेल की मालिश करें। इस तेल की तासीर ठंडी होती है।

पुदीने के पौधे से तेज गंध आती है। अगर आप इसे घर में लगाते हैं तो यह मच्छरों को भी दूर रखने में मदद करता है।

बालों की सुंदरता के लिए गर्मियों में लगाएं अनार के ये हेयर मास्क, हेयर्स होंगे मजबूत

गर्मियों में स्किन के साथ–साथ बालों की केयर करना भी बहुत जरुरी है। गर्मी में आमतौर पर बाल डैमेज होने के साथ कई बार पसीने के कारण हेयरफॉल भी काफी बढ़ जाता हैं। गर्मी में लोग इस तरह की समस्या को दूर करने के लिए महंगे–महंगे प्रोडक्ट्स यूज करते हैं। लेकिन कई बार इन प्रोडक्ट्स के इस्तेमाल करने से बालों को नुकसान होने के साथ कई बार मन मुताबिक परिणाम भी नहीं मिलता हैं। वहीं, आप इस भीषण गर्मी में बालों की केयर के लिए अनार से बने ये हेयर पैक लगा सकते हैं। अनार में पाएं जाने वाले एंटी–ऑक्सीडेंट्स बालों को मजबूत बनाने के लिए साथ स्कैल्प में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता हैं। अनार के हेयर पैक लगाने से बालों की शाइन बढ़ाने के साथ बाल मजबूत होंगे। आइए जानते हैं गर्मी में बालों की केयर करने के लिए अनार के हेयर पैक कैसे बनाएं।

अनार और दही का हेयर पैक

सामग्री

–7 से 8 चम्मच – अनार

– 2 चम्मच – दही

बनाने का तरीका

–सबसे पहले आप सभी चीजों को ब्लेंडर में चलाकर हल्का सा चलाएं।

–अब इस मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर 20 मिनट के लिए लगाएं।

– इसके बाद बालों को पानी से वॉश करें। ये हेयर पैक बालों को पोषण देने के साथ स्कैल्प को हेल्दी रखता है।

अनार और शहद का हेयर पैक

सामग्री

– 1 चम्मच – शहद

– 4 से 5 चम्मच – अनार का रस

बनाने का तरीका

–अनार और शहद का हेयर पैक बनाने के लिए सभी चीजों को मिलाकर मिश्रण तैयार करें।

– अब इस मिश्रण को बालों पर अच्छे से लगा लें। यह हेयर मास्क बालों को ड्राई बनाने से रोकता है और हेयरफॉल भी रोकता हैं। ये हेयर पैक बालों में शाइन भी लाता है।

अनार और जैतून के तेल का हेयर पैक

सामग्री

– 1/4 कप– अनार का रस

– 1 चम्मच – जैतून का तेल

– 1/2 कप पानी

बनाने का तरीका

– इसे बनाने के लिए सभी चीजों का अच्छे से मिला लें।

– अब इस मिश्रण को बालों पर लगाकर 20 मिनट के लिए रखें।

– उसके बाद बालों को पानी से वॉश करें। ये हेयर पैक बालों को अंदरुनी रुप से पोषण देता है और ग्रोथ को भी बढ़ाता है।

हड्डियों की मजबूती से लेकर खून की कमी को पूरा करता है गोंद कतीरा, इस तरह कैसे करें सेवन

गर्मियों में गोंद कतीरा खाना हमारी सेहत के लिए बहुत अच्छा होता है, ये तो आप सभी जानते ही होंगे। दरअसल, इसकी तासीर ठंडी होती है इसलिए इसका सेवन गर्मियों में करना बेहद लाभकारी माना जाता है। आपको बता दें कि गोंद कतीरा पेड़ से निकलने वाला एक पीले रंग का गोंद है। यह छूने में चिपचिपा, बदबूदार और बेस्वाद होता है। इसके सेवन मात्र से ही कब्ज, स्तन में वृद्धि, त्वचा रोग, शीघ्रपतन और हृदय रोग का खतरा तक कम हो जाता है। सिर्फ यही नहीं बल्कि दूध में मिलाकर गोंद कतीरा पिने से सेहत को ऐसे फायदे होते हैं जिसे जान आप आज से ही इसका सेवन करना शुरु कर देंगे। तो चलिए आइये यहां जानें इसके कुछ खास लाभ–

खून की कमी

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीने से शरीर में हो रही खून की कमी से छुटकारा मिलता है और साथ ही यह हीमोग्लोबिन के स्तर को भी बढ़ाने में मदद करता है।

हड्डियों को मजबूत करे

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीना बहुत लाभदायक साबित हो सकता है। इसके सेवन से हड्डियों को मजबूत रहने में मदद मिलेगी और साथ ही शरीर भी एक दम स्वस्थ रहेगा।

दूर करे कमजोरी

गोंद कतीरा में ढेर सारा प्रोटीन और फॉलिक एसिड पाया जाता है। इसके सेवन से शरीर को तुरंत ताकत मिलती है। इसे खाने से खून गाढ़ा होता है। 20 ग्राम गोंद कतीरा को एक गिलास पानी या फिर दूध में भिगो कर रखें और फिर सुबह मिश्री मिलाकर शर्बत बनाकर पिएं।

ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए फायदेमंद

दूध में गोंद कतीरा डालकर पीना ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए बहुत लाभदायक साबित होता है। यह बढ़ रहे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मददगार साबित होता है।

मासिक धर्म करे नियमित

यदि किसी महिला के मासिक धर्म अनियमित हैं तो गोंद कतीरा और मिश्री को साथ में पीस कर 2 चम्मच दूध में मिला कर सेवन करें। इसके अलावा गोंद के लड्डू भी बना कर खाए जा सकते हैं। यही नहीं बच्चा होने के बाद भी गोंद के लड्डू खाने पर कमजोरी और माहवारी की गड़बड़ी भी ठीक हो जाती है।

टान्सिल में राहत

यदि आप हर वक्त टॉन्सिल से परेशान रहते हैं तो 2 भाग कतीरा और 2 भाग नानख्वा को बारीक पीस लें। फिर इसमें हरी धनिया की पत्ती का रस मिलाएं और रोजाना इसे गले पर लेप करें। इससे आपको जल्द ही आराम मिलेगा। यही नहीं अगर आपके पास साधन न हो तो लगभग 10 से 20 ग्राम गोंद कतीरा पानी में भिगोकर फुला लें और फिर इसे मिश्री मिले शर्बत में मिलाकर सुबह–शाम पिएं।

मुंह के छाले के लिए गोंद कतीरा

अल्सर के कारण होने वाली सूजन, लालिमा और दर्द को कम करने के लिए इस उपाय को आजमाएं गोंड कतीरा का बारीक पिसा हुआ पेस्ट बनाएं और तुरंत राहत के लिए अपने छालों पर लगाएं।

फ्रिजी बालों से ना हों परेशान, घर पर बनाएं ये हेयर जेल

अमूमन यह देखने में आता है कि जब गर्मी में बाल फ्रिजी होने लगते हैं तो हम तरह–तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरु कर देते हैं। जबकि आपको बालों को नेचुरल तरीके से पैम्पर करना चाहिए। रुखे व फ्रिजी हेयर को मैनेज करने के लिए आप घर पर ही हेयर जेल बनाकर उसका इस्तेमाल करें। गर्मी के मौसम में हमें बालों की कई तरह की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इनमें से रुखे व फ्रिजी हेयर की समस्या बेहद आम है। गर्मी के मौसम में जब ह्यूमिडिटी बढ़ जाती है, तो बालों का मॉइश्चर कहीं खोने लगता है और वे रुखे व फ्रिजी हो जाते हैं। इतना ही नहीं, जब इस मौसम में बाल चिपचिपे हो जाते हैं तो ऐसे में हम उन्हें बार–बार धोते हैं। ओवरवॉशिंग के कारण भी बालों का नेचुरल ऑयल कहीं खो जाता है और वे रुखे व बेजान नजर आने लगते हैं। अमूमन यह देखने में आता है कि जब गर्मी में बाल फ्रिजी होने लगते हैं तो हम तरह–तरह के हेयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना शुरू कर देते हैं। जबकि आपको बालों को नेचुरल तरीके से पैम्पर करना चाहिए। रुखे व फ्रिजी हेयर को मैनेज करने के लिए आप घर पर ही हेयर जेल बनाकर उसका इस्तेमाल करें। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको रुखे व फ्रिजी हेयर के लिए हेयर जेल बनाने के बारे में बता रहे हैं–

एलोवेरा से बनाएं हेयर जेल

एलोवेरा अपने हाइड्रेटिंग गुणों के लिए जाना जाता है, इसलिए यह रुखे बालों को नमी प्रदान करता है। जब आप इससे हेयर जेल बनाते हैं तो यह बालों को स्टाइल करने के साथ–साथ रुखेपन को कम करता है।

आवश्यक सामग्री–

– एलोवेरा का पत्ता

– एक कप पानी

– एक नींबू

हेयर जेल बनाने का तरीका–

– सबसे पहले एलोवेरा का पत्ता तोड़ लें और उसका जेल निकाल लें।

– अब एक कप पानी उबालें और उसमें एलोवेरा जेल के साथ–साथ एक नींबू का रस भी मिक्स करें।

– मिश्रण के गाढ़ा होने तक इसे 5 से 10 मिनट तक उबालें और फिर ठंडा होने दें।

चिया सीड्स की मदद से बनाएं जेल

चिया सीड्स में कई तरह विटामिन और मिनरल होते हैं जो बालों को मजबूत बनाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, कैस्टर ऑयल एक प्राकृतिक कंडीशनर की तरह काम करता है और रुखे बालों को नमी प्रदान करता है।

आवश्यक सामग्री–

– एक कप चिया सीड्स

– चार कप डिस्टिल्ड वॉटर

– दो बड़े चम्मच कैस्टर ऑयल

– विटामिन ई ऑयल की 10 बूंदें

– लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की 10 बूंदें

जेल बनाने का तरीका–

– सबसे पहले एक पैन लें और उसमें डिस्टिल्ड वॉटर के साथ चिया सीड्स मिलाएं।

– अब इसे पैन को कवर कर दें और मिश्रण को रात भर ऐसे ही रहने दें।

– अब पैन को 10 से 15 मिनट तक गर्म करें।

– मिश्रण को हिलाएं और छलनी से छान लें।

– इसमें से चिया सीड को निकाल दें।

– अब आप विटामिन ई ऑयल, लैवेंडर एसेंशियल ऑयल और कैस्टर ऑयल डालें और उन्हें मिलाएं।

– मिश्रण को ठंडा होने दें और फिर इसे स्टेरलाइज़ किए गए कंटेनर में डालें।

संक्षिप्त

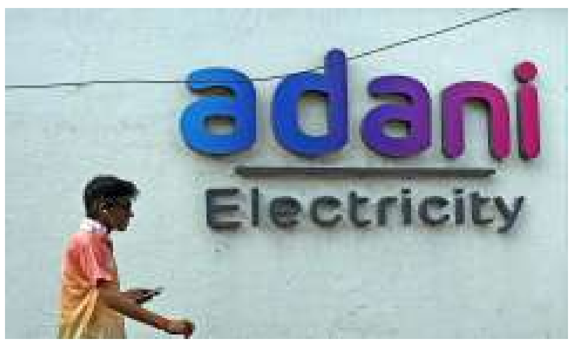

अडानी कंपनी का शेयर दिखाने लगा ताकत, 8 फीसदी की तेजी से दौड़ा, इन राज्यों में कंपनी के प्रोजेक्ट

अडानी ग्रुप के कई शेयर मंगलवार को शानदार कारोबार करते दिखे। इस दौरान अडानी पावर के शेयरों में तूफानी तेजी देखी गई। वहीं अडानी एंटरप्राइजेज, अडानी विल्मर और अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर भी तेजी के साथ कारोबार करते दिखे। सबसे अधिक अडानी पॉवर के शेयर आठ फीसदी ऊपर उठे है। कारोबार के अंत में शेयर 5.9 फीसदी की बढ़ोतरी के बाद शेयर की कीमत 506 रुपये हो गई थी। वहीं मंगलवार को कोराबार के दौरान भारतीय बाजार में उतार चढ़ाव भी देखने को मिला है। इस दौरान संसेक्स नीचि गिरा और 53 अंक गिरकर बंद हुआ। निफ्टी भी सपाट स्तर पर बंद हुआ है।

अडानी पॉवर में तेजी

कारोबार के दौरान अडानी पावर के शेयर तेजी के साथ कारोबार कर रहे थे। इस दौरान 610 रुपये के भाव पर शेयर पहुंचा था। सुबह अडानी पावर के शेयर 563.30 रुपये पर खुले थे। अडानी पावर के शेयर ऑल टाइम हाई के स्तर से 28 फीसदी कम पर है। बता दें कि अडानी पावर ने हिंडनबर्ग खुलासे के बाद सबसे पहले अपना रूप बदला था। कुछ ही महीनों में शेयर सबसे शीर्ष पर पहुंचे थे। जनवरी 2023 के दौरान ही अडानी ग्रुप को लेकर हिंडनबर्ग ने अपनी रिपोर्ट में खुलासे किए थे। इसके बाद फरवरी में भी ये सिलसिला जारी रहा था, जिसके बाद कंपनी के शेयर नीचे गिरकर 132.40 रुपये पर पहुंचे थे। रिपोर्ट में दावा हुआ था कि अडानी समूह की कंपनियों के शेयर 85 फीसदी तक ओवरवैल्यू पर है।

1 जुलाई से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट, रेल मंत्रालय का बयान

नई दिल्ली। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, ष01–07–2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे।ष इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार–आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। मंत्रालय के अनुसार 01 जुलाई 2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट भारतीय रेलवे खानपान व पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) की वेबसाइट/इसके एप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे। इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार–आधारित ओटीपी वेरिफिकेशन भी अनिवार्य कर दिया जाएगा। सरकार की ओर से जारी बयान में कहा गया है, तत्काल टिकट भारतीय रेलवे के कम्प्यूटरीकृत पीआरएस (यात्री आरक्षण प्रणाली) काउंटरों/अधिकृत एजेंटों के माध्यम से बुकिंग के लिए केवल सिस्टम–जनरेटेड ओटीपी के वेरिफिकेशन के बाद ही उपलब्ध होंगे। यह ओटीपी बुकिंग के समय यूजर्स की ओर से दिए गए मोबाइल नंबर पर सिस्टम जरिए भेजा जाएगा। इस व्यवस्था को भी 15 जुलाई 2025 तक लागू किया जाएगा। सर्कुलर में यह भी कहा गया है कि भारतीय रेलवे के अधिकृत टिकटिंग एजेंट को तत्काल बुकिंग विंडो के पहले 30 मिनट के दौरान ओपनिंग डे तत्काल टिकट बुक करने की अनुमति नहीं होगी। खास तौर पर, उन्हें सुबह 10 बजे से 10.30 बजे तक वातानुकूलित श्रेणियों के लिए और सुबह 11 बजे से 11.30 बजे तक गैर–वातानुकूलित श्रेणियों के लिए तत्काल टिकट बुक करने से प्रतिबंधित किया जाएगा। मंत्रालय ने रेलवे सूचना प्रणाली केन्द्र (सीआरआईएस) और आईआरसीटीसी को निर्देश दिया है कि वे प्रणाली में आवश्यक संशोधन करें और इन परिवर्तनों के बारे में सभी क्षेत्रीय रेलवे को सूचित करें। इसके अलावा, रेलवे की ओर से आश्वासन दिया गया है कि आम जनता को सूचित करने के लिए सभी उपलब्ध माध्यमों से इन बदलावों का व्यापक प्रचार किया जाएगा।

भारत में ग्रीन हाइड्रोजन होगा 40 प्रतिशत सस्ता, सरकार की नीतियों से लागत में बड़ी गिरावट की संभावना

नई दिल्ली। भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत में 40 प्रतिशत तक गिरावट आने की संभावना है। इंस्टीट्यूट फॉर एनर्जी इकोनॉमिक्स एंड फाइनेंशियल एनालिसिस की एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट में कहा गया कि अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में बड़े लक्ष्य रखने वाले भारत में ग्रीन हाइड्रोजन की लागत कम हो सकती है। यह गिरावट सरकार के समर्थन से होगा। ग्रीन हाइड्रोजन बनाने की औसत लागत धीरे–धीरे गिरकर 260 से 310 प्रति किलोग्राम के बीच आ सकती है, यानी लगभग 3 से 3.75 डॉलर प्रति किलोग्राम।

हाइड्रोजन निर्माताओं को दी गई ये रियायतें

भारत हाइड्रोजन निर्माताओं को सस्ती अक्षय बिजली प्रदान करते आ रहा है, ओपन एक्सेस के लिए अंतर–राज्यीय ट्रांसमिशन शुल्क माफ किया है और वितरण और ट्रांसमिशन शुल्क कम किया गया है। साथ ही, हाइड्रोजन के लिए जीएसटी दर को घटाकर 5 प्रतिशत किया गया है। इसके अलावा रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इलेक्ट्रोलाइजर निर्माताओं के कुल सिस्टम लागत में 7 से 10 प्रतिशत की गिरावट आएगी। इलेक्ट्रोलाइजर एक ऐसा उपकरण है जो बिजली का उपयोग करके पानी को हाइड्रोजन और ऑक्सीजन में अलग करता है।

हरित हाइड्रोजन उद्योग में इन सुधारों की जरूरत

रिपोर्ट में कहा गया है कि भले ही हरित हाइड्रोजन योजना भारत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, लेकिन दीर्घकालिक निवेश और परियोजना को बढ़ावा देने के लिए इसमें सुधार की जरूरत है।

इंग्लैंड के खिलाफ जसप्रीत बुमराह उड़ाएंगे गर्दा, खौफ में होंगे अंग्रेज खिलाड़ी

सचिन तेंदुलकर–एंडरसन ट्रॉफी में भारत के स्टार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सीरीज के सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे लेकिन इस दौरे पर वह मेजबान इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन ऐसा है कि अंग्रेज बल्लेबाजों की नींद उड़ जाएगी। 7 साल पहले वहां अपने पहले ही मैच में उन्होंने 5 विकेट लिए थे।

मौजूदा समय में टीम इंडिया सचिन तेंदुलकर– एंडरसन ट्रॉफी के लिए इंग्लैंड में है। ट्रॉफी के तहत 5 टेस्ट मैच की सीरीज खेली जानी है। पहला मैच 20 जून को है। भारत के स्टार जसप्रीत बुमराह सीरीज के सिर्फ 3 टेस्ट ही खेलेंगे लेकिन इस दौरे पर वह मेजबान इंग्लैंड टीम के लिए सबसे बड़े सिरदर्द साबित हो सकते हैं। इंग्लैंड में उनका प्रदर्शन ऐसा है कि अंग्रेज बल्लेबाजों की नींद उड़ जाएगी। 7 साल पहले वहां अपने पहले ही मैच में उन्होंने 5 विकेट लिए थे। जसप्रीत बुमराह इंग्लैंड में सबसे ज्यादा टेस्ट विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। उन्होंने इंग्लैंड में अब तक 9 टेस्ट मैच खेले हैं जिसकी 17 पारियों में 26.27 की औसत से 37 विकेट झटके हैं। वहां उनका पारी में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 64 रन देकर 5 विकेट है। इंग्लैंड में किसी टेस्ट मैच में उनके सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन की बात करें तो उन्होंने एक टेस्ट की दोनों पारियों में 110 रन देकर 9 विकेट झटके थे। सिर्फ 2 भारतीय गेंदबाज ही ऐसे हैं जिन्होंने इंग्लैंड में बुमराह से ज्यादा टेस्ट विकेट लिए हैं। ईशांत शर्मा 48 टेस्ट विकेट के साथ टॉप पर हैं और 43 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं महान ऑलराउंडर कपिल देव। बुमराह को इंग्लैंड में खेलना काफी रास आता है। 2018 में ट्रेंट ब्रिज में खेला गया मैच उनका इंग्लैंड में पहला टेस्ट था और अपने

पहले ही मैच में उन्होंने एक पारी में 5 विकेट झटके। भारत ने उस टेस्ट मैच में जीत हासिल की थी। वहीं 2021 दौरे में दोनों देशों के बीच पहला टेस्ट मैच भी ट्रेंट ब्रिज में खेला गया था और उसमें भी बुमराह ने पारी में 5 विकेट झटके थे। उस दौरे का दूसरा मैच लॉर्ड्स में हुआ था। उस मैच में बुमराह ने बल्ले से भी जौहर दिखाया था। उन्होंने शमी के साथ मिलकर आखिरी विकेट के लिए 89 रनों की नाबाद पारी खेली थी। भारत ने उस टेस्ट में यादगार जीत हासिल की थी।

विराट कोहली ने हासिल की खास उपलब्धि, क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पछाड़ बने दुनिया नंबर वन खिलाड़ी

भारतीय क्रिकेट टीम के सुपरस्टार और दिग्गज खिलाड़ी विराट कोहली ना सिर्फ मैदान पर सबसे आगे है बल्कि अब वो सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर भी जमकर कमाई कर रहे है। इंस्टाग्राम पर भी विराट कोहली ने नई उपलब्धि हासिल कर ली है। एक तरफ हर कोई विराट कोहली के मैदान में उनकी बल्लेबाजी, फिल्डिंग और मस्ती का दिवाना है। वहीं अब विराट सोशल मीडिया पर भी धड़ल्ले से आगे बढ़ते जा रहे है। विराट ने दुनिया के कई दिग्गज खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया है। इंस्टाग्राम पर पोस्ट पर लाइन के मामले में विराट कोहली अब फुटबॉल स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो को पछाड़ चुके है। वर्ष 2024 में विराट कोहली के इंस्टाग्राम पोस्ट पर नजर डालें तो उनके तीन पोस्ट ऐसे थे जिन्हें दो करोड़ यानी 20 मिलियन से अधिक लोगों ने लाइक किया था। सबसे अधिक लाइक उस पोस्ट को मिले थे जिसमें कोहली ने टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद अपनी फोटो को शेयर किया था। ये पोस्ट अब तक 22 मिलियन लोगों द्वारा लाइक की गई है। वहीं दूसरी तस्वीर विराट कोहली ने अपनी पत्नी और एक्टर अनुष्का शर्मा के साथ एक मई को पोस्ट की थी, जिसे 20 मिलियन से अधिक लोग लाइक कर चुके है। इसके अलावा हाल ही में रॉयल चौलेंजर्स बैंगलोर की आईपीएल में ऐतिहासिक जीत के बाद जश्न की झलक की फोटो को भी 20 मिलियन से अधिक लाइक मिले है। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की बात करें तो वो भी दुनिया के सबसे चर्चित खिलाड़ियों की सूची में शुमार है। दुनिया भर में अपनी अलग पहचान बना चुके क्रिस्टियानो रोनाल्डो की सोशल मीडिया पर दो ऐसी पोस्ट रही हैं जिन पर 20 मिलियन से अधिक लाइक है। एक फोटो आईसपूल में उनके नहाने की है, चो एक चौलेंज का हिस्सा है। दूसरी पोस्ट उनके बेटे के साथ 2024 की है, जिस पर फैंस ने खूब प्यार लुटाया है। इसके अलावा सोशल मीडिया पर पोस्ट पसंद किए जाने के मामले में सिंगर भी पीछे नहीं है। कनाडाई सिंगर जस्टिन बीबर की फोटो जिसमें एक बच्चे को उन्होंने अपने कंधे पर बैठाया हुआ है, उसे 24 मिलियन से अधिक लोग लाइक कर चुके है। गौरतलब है कि विराट कोहली किसी पहचान के मोहताज नहीं है। खेल के मैदान में अपनी काबिलियत के दम पर विराट कोहली किंग बन चुके है। इसके अलावा इंस्टाग्राम पर भी वो दुनिया में सबसे चर्चित लोगों में शुमार है। विराट के इंस्टाग्राम पर जीत के पल, फैमिसी के साथ यादें या देश की शान बनने की तस्वीरें हर पोस्ट शेयर होता है।

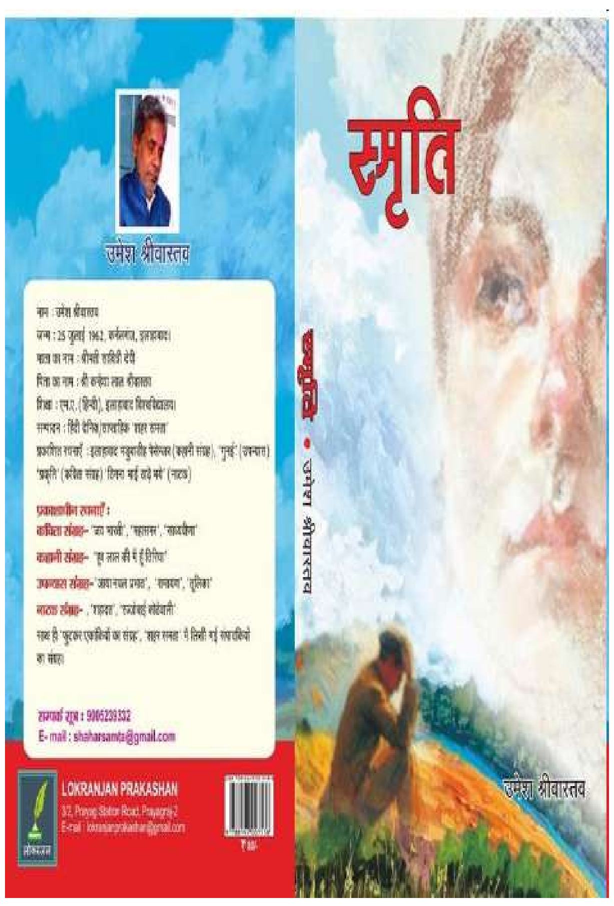

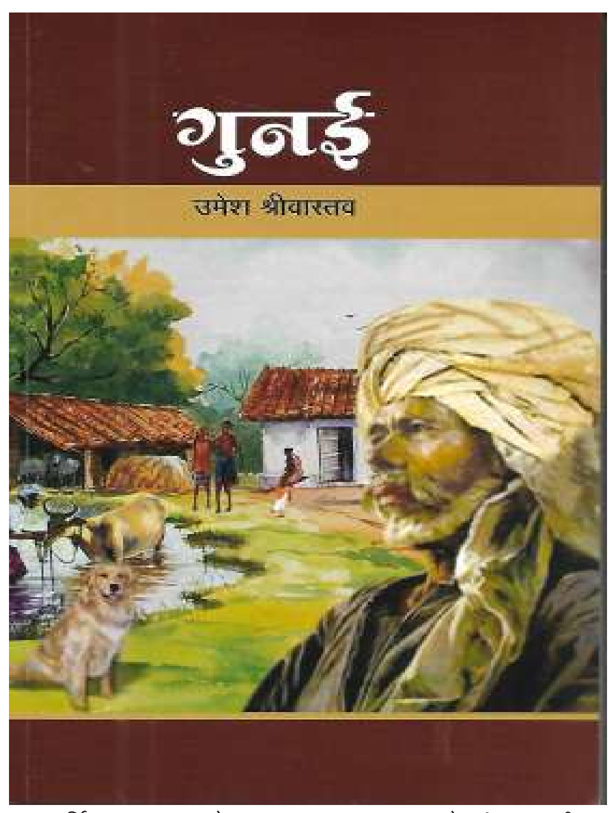

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

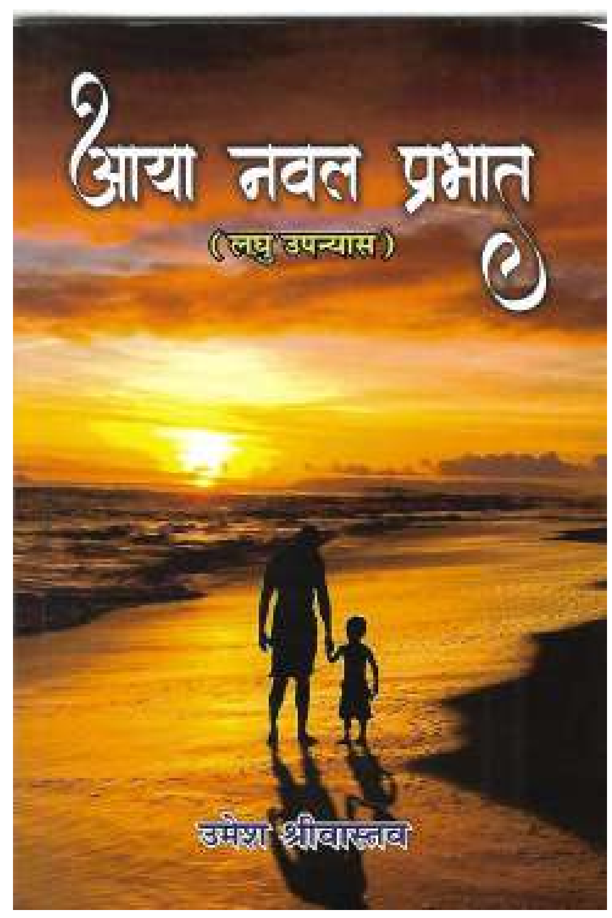

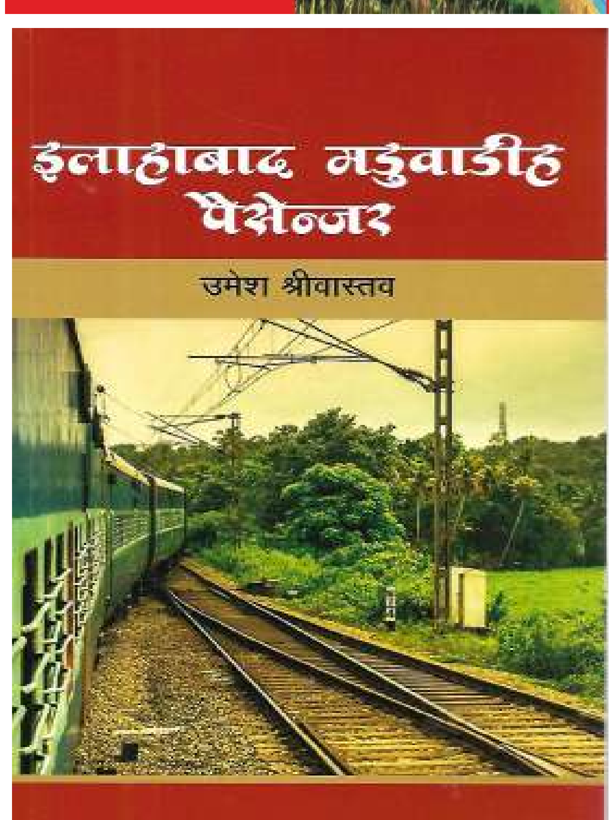

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

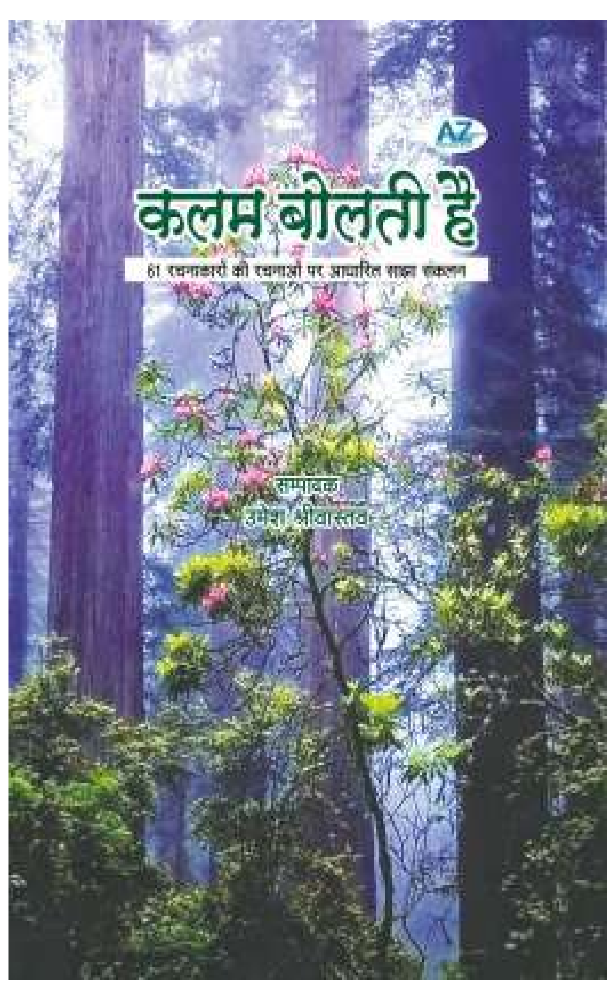

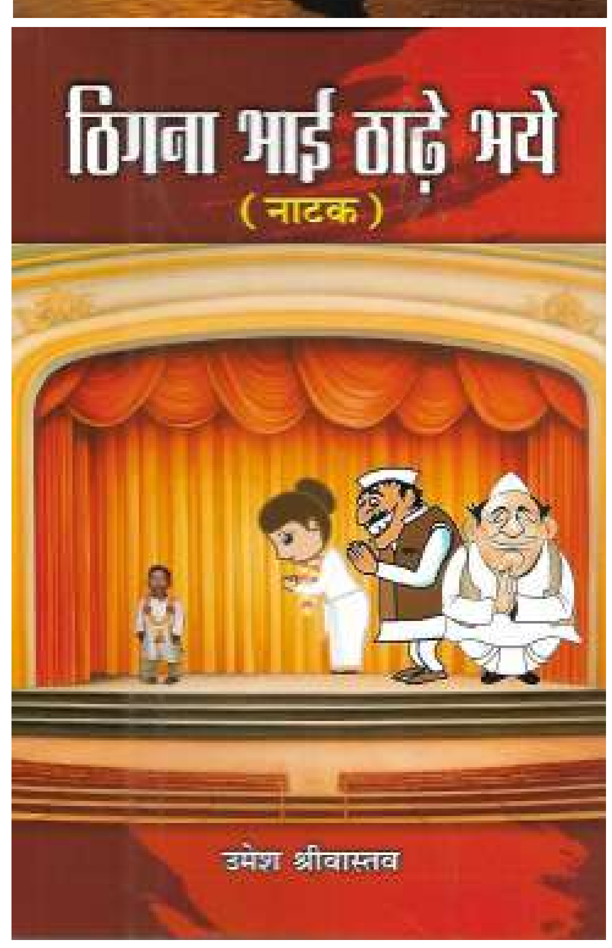

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ब्रसेल्स में जयशंकर ने 'सार्थक' भारत–यूरोपीय संघ रणनीतिक संवाद में हिस्सा लिया

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को ब्रसेल्स में यूरोपीय संघ (ईयू) की विदेश मामलों की उच्च प्रतिनिधि के साथ "बहुत खुली और सार्थक" वार्ता की, जिसमें रक्षा एवं सुरक्षा, समुद्री सुरक्षा, साइबर एवं अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों पर चर्चा हुई। भारत और यूरोपीय संघ के बीच पहली रणनीतिक वार्ता में जयशंकर के साथ यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि काजा

कालास शामिल हुईं। उन्होंने वर्ष के अंत तक एक "महत्वाकांक्षी और संतुलित" भारत–यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की योजनाओं पर भी चर्चा की। जयशंकर ने कहा, "मेरा मानना घ्है कि हमारी बैठक बहुत ही खुली और उपयोगी रही।" उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि बेल्जियम की उनकी यात्रा यूरोपीय संघ के आयुक्तों के भारत दौरे के लगभग तीन महीने बाद हो रही है। उन्होंने कहा, "यह स्पष्ट है कि विश्व व्यवस्था एक गहन परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। ये रुझान कई मायनों में तीव्र हो गए हैं। हम निस्संदेह बहुध्रुवीयता और रणनीतिक स्वायत्तता के युग में प्रवेश कर चुके हैं।" जयशंकर ने कहा कि उन्होंने यूरोपीय संघ की उच्च प्रतिनिधि के साथ वैश्विक व्यवस्था पर विचारों का आदान–प्रदान किया है और आगे की चर्चाओं में यूक्रेन संघर्ष, पश्चिम एशिया, भारतीय उपमहाद्वीप और हिंद–प्रशांत सहित यूरोप की स्थिति पर गहन विचार–विमर्श किया जाएगा। आतंकवाद विरोध का मुद्दा भी एजेंडे में छाया रहा, जिसमें कालास ने "परमाणु खतरों" को भारत और यूरोपीय संघ के लिए आपसी चिंता का विषय बताया। जयशंकर ने संवाददाताओं से कहारू "भारत का दृढ़ विश्वास है कि आतंकवाद के सभी रूपों और अभिव्यक्तियों के प्रति शून्य सहिष्णुता होनी चाहिए।

विदेश सचिव मिस्री ने यूएई के मंत्री से द्विपक्षीय संबंधों पर चर्चा की

विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अंतरराष्ट्रीय सहयोग राज्य मंत्री से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों की समीक्षा करने के साथ ही भविष्य में साझेदारी के क्षेत्रों पर चर्चा की। यूएई में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर कहा कि मिस्री ने सोमवार को यूएई के अंतरराष्ट्रीय

सहयोग राज्य मंत्री रीम अल हाशिमी से मुलाकात की। दोनों ने 'बढ़ती और विस्तार लेती भारत–यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी की वर्ष के बीच में समीक्षा' के लिए मुलाकात की। इसमें कहा गया, ''उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों का जायजा लिया तथा भविष्य की साझेदारियों पर चर्चा की।'' इससे पहले मिस्री ने यूएई के मंत्री शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान और रक्षा मामलों के अध्यक्ष अली राशिद अल नौइमी के साथ अलग–अलग बैठक की।

अर्जेंटीना के उच्चतम न्यायालय ने पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की जेल की सज़ा बरकरार रखी

अर्जेंटीना के उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को पूर्व राष्ट्रपति क्रिस्टीना फर्नांडीज की भ्रष्टाचार के जुर्म में छह साल की जेल की सजा बरकरार रखी। इसके साथ ही उन्हें किसी भी सार्वजनिक पद पर काबिज होने से अयोग्य घोषित कर दिया गया है। यह फैसला पेरोनिज्म विचारधारा की प्रमुख नेता फर्नांडीज के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है, जो पिछले दो दशकों में अर्जेंटीना की राजनीति की सबसे प्रभावशाली शख्सियतों में से एक रही हैं। अदालत के इस निर्णय के बाद उन पर गिरफ्तारी की तलवार भी लटक रही है।

फर्नांडीज ने 2007 में अपने पति नेस्टर किर्चनर के बाद देश की बागडोर संभाली और आठ वर्षों तक राष्ट्रपति रहीं। उनके कार्यकाल के दौरान सरकारी खर्चों की कोई सीमा नहीं रही और भारी बजटीय घाटा बढ़ता गया। वर्ष 2022 में एक संघीय अदालत ने उन्हें एक व्यवसायी को अनुचित तरीके से सरकारी निर्माण ठेके देने के मामले में दोषी पाया, जिससे राजकोष को लगभग सात करोड़ अमेरिकी डॉलर का नुकसान हुआ। मार्च 2024 में फर्नांडीज ने इस सजा की समीक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय में अर्जी दी थी, जिसे तीन न्यायाधीशों की पीठ ने खारिज कर दिया। इसके कारण अब वह इस वर्ष सितंबर में प्रस्तावित संसदीय चुनाव में भाग नहीं ले सकेंगी। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए न्यायालय ने कहा, "यह सजा हमारे गणतांत्रिक और लोकतांत्रिक तंत्र की रक्षा करती है।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में

ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

ट्रंप, एलन मस्क और जेडी वेंस जहां दिखें वहीं मार दो, अलकायदा का धमकी वाला खौफनाक वीडियो आया सामने

इस्लामी आतंकवादी समूह की तरफ से एक परेशान करने वाला वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और कई शीर्ष सलाहकारों की हत्या की बात कही गई है। न्यूयॉर्क पोस्ट के अनुसार, उसने कहा कि इजरायल के प्रति उनका मजबूत समर्थन इस धमकी के पीछे का कारण है। यमन में रहने वाला यह व्यक्ति साद बिन अतेफ अल–अवलाकी है, जो अरब प्रायद्वीप में अल–कायदा (AQAP) का नेता है। 34 मिनट के भड़काऊ वीडियो में आतंकवादी नेता ने अमेरिकी मुसलमानों से बदला लेने और उन लोगों पर हमला करने का आग्रह किया जिन्हें

उसने काफिर अमेरिकी बताया है। उसने ट्रंप, वेंस के साथ–साथ विदेश मंत्री मार्को रुबियो, रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और अरबपति एलन मस्क जैसे लोगों का नाम लिया। अल–अवलाकी ने कहा कि उनका और उनके परिवारों का और उन सभी लोगों का पीछा करो जिनका व्हाइट हाउस के राजनेताओं से कोई संबंध है या जो उनके करीब हैं। उन्होंने आगे कहा कि गाजा में हमारे लोगों के साथ जो कुछ हो रहा है, उसके बाद कोई सीमा रेखा नहीं है, और सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, ट्रम्प पर हाल ही में हुए यहूदी विरोधी हमलों और पूर्व हत्या के प्रयासों का समर्थन किया है। वीडियो में अमेरिका में यहूदी लोगों के खिलाफ हिंसा को बढ़ावा देने का व्यापक प्रयास भी शामिल है। यहूदियों के लिए एक भी सुरक्षित जगह न छोड़ें – जैसे उन्होंने फिलिस्तीनियों के लिए कोई घर, आश्रय या रहम नहीं छोड़ी है। यहां तक कि अस्पतालों पर भी बमबारी की जा रही है। अल–अवलाकी मार्च 2024 में AQAP का प्रमुख बन गया और उसके सिर पर स्टेट डिपार्टमेंट ने 6 मिलियन अमेरिकी डॉलर का इनाम रखा है। AQAP को आधिकारिक तौर पर अमेरिकी सरकार द्वारा एक विदेशी आतंकवादी संगठन घोषित किया गया है। एसोसिएटेड प्रेस ने बताया कि अल–अवलाकी का वीडियो नेतृत्व संभालने के बाद उसका पहला वीडियो था और उसने गाजा संघर्ष को लेकर मिस्र, जॉर्डन और खाड़ी देशों के नेताओं को निशाना बनाकर अकेले हमला करने का भी आग्रह किया था। विश्लेषकों के अनुसार, ऐसा प्रतीत होता है कि AQAP गाजा में बढ़ते तनाव और यमन में ईरान समर्थित हौथी आंदोलन के बढ़ते प्रभाव के बीच पुनः प्रमुखता हासिल करने का प्रयास कर रहा है।

हिंसा के बाद कर्फ्यू लगाया गया, डोनाल्ड ट्रम्प ने 'लॉस एंजिल्स को आजाद कराने' की खाई कसम

विरोध प्रदर्शनों और रात में हिंसा की घटनाओं के बीच, लॉस एंजिल्स की मेयर करेन बास ने मंगलवार को शहर के कुछ हिस्सों में रात भर कर्फ्यू लगा दिया, जबकि संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शहर में अतिरिक्त 2,000 नेशनल गार्ड सैनिकों और मरीन की तैनाती की घोषणा की।

डाउनटाउन एलए में कर्फ्यू

लॉस एंजिलिस की मेयर कैरेन बास ने मंगलवार को शहर के मुख्य क्षेत्र में ''तोड़फोड़ और लूटपाट को रोकने के लिए'' कर्फ्यू लगा दिया है। बास ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि उन्होंने स्थानीय आपातकाल की घोषणा कर दी है और कर्फ्यू मंगलवार रात आठ बजे से बुधवार सुबह छह बजे तक लागू रहेगा। बास ने कहा कि 23 व्यापारिक प्रतिष्ठानों में लूटपाट के बाद ''हम एक महत्वपूर्ण बिंदु पर पहुंच गए थे।'' कर्फ्यू शहर के मुख्य क्षेत्र के एक वर्ग मील (2.59 वर्ग किलोमीटर) इलाके में लागू रहेगा, जिसमें वह क्षेत्र भी शामिल है जहां शुक्रवार से विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। लॉस एंजिलिस के पुलिस प्रमुख जिम मैकडॉनेल के अनुसार, शनिवार से शहर में ''गैरकानूनी और खतरनाक व्यवहार'' की घटनाएं बढ़ रही थी। उन्होंने कहा, ''पूरे लॉस एंजिलिस में लगातार कई दिनों से बढ़ रही अशांति के बाद जान माल की रक्षा के लिए कर्फ्यू एक आवश्यक उपाय है।'' इससे पहले मंगलवार को, 'नेशनल गार्ड' के सैनिकों ने लॉस एंजिलिस में लोगों की गिरफ्तारियां करते समय आव्रजन एजेंटों को सुरक्षा प्रदान करना शुरू कर दिया। अमेरिकी आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा मंगलवार को पोस्ट की गई तस्वीरों में नेशनल गार्ड के कर्मी उन अधिकारियों को सुरक्षा दे रहे हैं जो लोगों की गिरफ्तारियां कर रहे हैं।

ट्रम्पः 'हम लॉस एंजिल्स को आज़ाद करेंगे'

फ़ोर्ट ब्रैग में एक उग्र भाषण में, ट्रम्प ने एलए प्रदर्शनकारियों को जानवर और एक विदेशी दुश्मन बताया, और कहा कि वह लॉस एंजिल्स को आज़ाद करेंगे और इसे फिर से स्वतंत्र, स्वच्छ और सुरक्षित बनाएंगे। यह भाषण मूल रूप से अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ मनाने के लिए था। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम और स्थानीय अधिकारियों के विरोध के बावजूद सैन्य उपस्थिति को दोगुना करते हुए लॉस एंजिल्स में अतिरिक्त 2,000 नेशनल गार्ड कर्मियों और 700 मरीन को भेजने का आदेश दिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सैनिकों की आमद विरोध प्रदर्शनों से निपटने में रसद को जटिल बनाती है।

न्यूजॉम ने कहा कि 'लोकतंत्र पर हमला हो रहा है'

कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूजॉम ने मंगलवार को एक संक्षिप्त सार्वजनिक संबोधन के दौरान कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प लॉस एंजिल्स में ष्सैन्य जाल बिछा रहे हैंष्। न्यूजॉम ने कहा कि ट्रम्प की आव्रजन कार्रवाई अपराधियों को गिरफ्तार करने से कहीं आगे निकल गई है और हिरासत में लिए गए लोगों में षडिशवॉशर, माली, दिहाड़ी मजदूर और सीमस्ट्रेसष शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ट्रम्प द्वारा उनके समर्थन के बिना कैलिफोर्निया नेशनल गार्ड को तैनात करने का निर्णय अन्य राज्यों के लिए एक चेतावनी होनी चाहिए। न्यूजॉम ने कहा, ष्कैलिफोर्निया पहले स्थान पर हो सकता है – लेकिन यह स्पष्ट रूप से यहीं समाप्त नहीं होगा।

विवादास्पद सैन्य ठिकानों के नाम बदले गए

ट्रम्प ने बिडेन प्रशासन के तहत नाम बदले गए सात अमेरिकी सैन्य ठिकानों के कॉन्फेडरेट–लिंक्ड नामों को बहाल करने की योजना की भी घोषणा की। नाम बदले जाने वाले ठिकानों में फ़ोर्ट हूड, फ़ोर्ट गॉर्डन, फ़ोर्ट रकर और अन्य शामिल हैं।

इसकी शुरुआत कैसे हुई

लॉस एंजिल्स में अशांति संघीय आव्रजन प्रवर्तन छापों के तीव्र होने के बाद शुरू हुई। सप्ताहांत में प्रदर्शन हिंसक हो गए, प्रदर्शनकारियों ने राजमार्गों को अवरुद्ध कर दिया और वाहनों को आग लगा दी। अधिकारियों का कहना है कि विरोध प्रदर्शन 40 लाख की आबादी वाले शहर एलए के डाउनटाउन के कुछ ब्लॉकों तक ही सीमित है।

सुलह की राह पर अमेरिका और चीन, टैरिफ पर बन गई बात

महीनों के तनाव और टैरिफ़ वॉर के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच का व्यापार विवाद अब सुलह की राह पर बढ़ चला है। दोनों देशों के शीर्ष अधिकारियों ने घोषणा की कि वे व्यापार पर आगे बढ़ने के लिए एक ढांचे पर सहमत हो गए हैं। लंदन के लैंकेस्टर हाउस में लगभग 20 घंटे की बातचीत के बाद अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक ने कहा कि हम जिनेवा सहमति को लागू करने के लिए एक रूपरेखा पर पहुँच गए हैं। पिछले समझौते का जिक्र करते हुए जिसमें दोनों पक्षों पर भारी टैरिफ़ को 90 दिनों के लिए निलंबित कर दिया गया था। बकिंघम पैलेस के पास जॉर्जियाई युग की हवेली में आयोजित वार्ता, स्वर में महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाती है, जिसमें ल्यूटनिक ने आशा व्यक्त की कि दुर्लभ पृथ्वी जैसे महत्वपूर्ण निर्यात पर विवाद सुलझ जाएगा। चीन दुनिया का सबसे बड़ा दुर्लभ पृथ्वी तत्वों का उत्पादक है, जो इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर रक्षा तक के उद्योगों

के लिए आवश्यक है। बीजिंग ने अप्रैल में प्रतिबंध लगाए थे, जिससे वैश्विक चिंता बढ़ गई थी। ल्यूटनिक ने सुझाव दिया कि दोनों राष्ट्रपतियों द्वारा नए ढांचे को मंजूरी दिए जाने के बाद जल्द ही एक समाधान हो सकता है। एक बार राष्ट्रपतियों द्वारा इसे मंजूरी दिए जाने के बाद, हम इसे लागू करने का प्रयास करेंगे। अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने पुष्टि की कि हालांकि आगे कोई बैठक निर्धारित नहीं है, लेकिन दोनों पक्ष लगातार संपर्क में बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि हम चीनियों के साथ बातचीत को लेकर सकारात्मक महसूस करते हैं। इस बीच, चीन के मुख्य वार्ताकार ली चेंगगांग ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल प्रस्ताव के साथ अपने–अपने नेताओं के पास लौटेंगे। 5 जून को ट्रंप ने चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग से फोन पर लंबी बातचीत कीऔर रिश्तों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश की। ट्रंप ने अगले दिन सोशल मीडिया पर घोषणा की कि लंदन में व्यापार वार्ता फिर से शुरू होगी। दुनिया में दुर्लभ खनिजों के सबसे बड़े उत्पादक चीन ने संकेत दिया कि वह अप्रैल में इन तत्वों पर लगाए गए निर्यात प्रतिबंधों में ढील दे सकता है, जिससे दुनिया भर के वाहन निर्माता चिंतित हैं।

'फाल्कन–9' रॉकेट में लीक का पता चलने के कारण 'एक्सिओम–4 मिशन' स्थगित

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को लेकर अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले 'एक्सिओम–4 मिशन' को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है, क्योंकि इंजीनियरों ने 'स्पेसएक्स' के 'फाल्कन–9' रॉकेट में लीक की मरम्मत के लिए और समय मांगा है। निजी अमेरिकी वांतरिक्ष और अंतरिक्ष परिवहन सेवा कंपनी 'स्पेसएक्स' ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर घोषणा की कि 'पोस्ट–स्टेटिक बूस्टर' की जांच के दौरान लिक्विड ऑक्सीजन के रिसाव का पता चलने के बाद उसकी मरम्मत की आवश्यकता थी जिसके कारण 'एक्सिओम–4 मिशन' के 'फाल्कन–9' के प्रक्षेपण को फिलहाल टाला जा रहा है।

कर्ज का बारूदी निवेश, अगले युद्ध के लिए पैसा जमा कर रहा पाकिस्तान

पाकिस्तान में हुकूमत किसी की भी हो। जनता के बारे में कोई भी नहीं सोचता। पाकिस्तान पर 76 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का कर्ज है। यानी 269 अरब डॉलर का आंकड़ा इतना बड़ा है कि जितना कई छोटे देशों की जीडीपी भी नहीं होती है। इस भारी भरकम कर्ज के बीच पाकिस्तान की सरकार ने एक ऐसा बजट पेश किया है, जिसे देखकर दुनिया हैरान है। खुद पाकिस्तान की

आवाम परेशान। वित्त वर्ष 2026 के लिए पाकिस्तान ने अपने बजट का ऐलान कर दिया है। जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक विकास जैसे सेक्टरों में खर्च घटाया गया है। वहीं डिफेंस बजट में 20 फीसदी का इजाफा कर दिया गया है। अब पाकिस्तान का डिफेंस बजट 2.55 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए यानी करीब 9 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। इससे पहले ये 2.12 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपए था। यानी 43 हजार करोड़ रुपए से भी ज्यादा की बढोतरी। लेकिन सबसे दिलचस्प बात ये है कि पाकिस्तान ने कुल बजट खर्च में करीब 7 प्रतिशत की कटौती की है और जो बचा खुचा पैसा है वो डिफेंस में झोंक दिया गया है। दुनिया में कोई मुल्क ऐसा नहीं है जो एक साल के अंदर अपना बजट इतना बढ़ा ले। शहबाज शरीफ ने जनरल आसिम मुनीर को 2 हजार 550 अरब रुपए की जो खजाने की चाबी सौंपी है। पाकिस्तान में जीने के लिए रोटी मिले न मिले। मरने के लिए गोली जरूर मिल जाएगी। जनरल आसिम मुनीर भारत को शिकस्त देने का ख्वाब पाले बैठा है। उसके खोखले अरमानों की कीमत पाकिस्तान की आवाम चुका रही है। चंद दिनों पहले ही पाकिस्तान की गरीबी और भुखमरी पर वर्ल्ड बैंक की एक रिपोर्ट आई थी। अब पाकिस्तान की संसद ने उस रिपोर्ट पर मुहर लगा दी। शीर्ष खुफिया सूत्रों ने सीएनएन–न्यूज 18 को बताया है कि सैन्य व्यय में हालिया वृद्धि 7–10 मई, 2025 के बीच भारत के सटीक हमलों के बाद तत्काल आवश्यकताओं को रेखांकित करती है, जिससे पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणालियों में गंभीर कमजोरियां सामने आई हैं। खुफिया सूत्रों ने पुष्टि की है कि एचक्यू–9 एसएएम और बायरकटर टीबी2 ड्रोन सहित चीनी और तुर्की सिस्टम भारतीय ड्रोन और मिसाइलों को रोकने में असमर्थ थे। नूर खान एयरबेस पर बड़े नुकसान हुए, जिसके कारण पूरी रणनीति में बदलाव की जरूरत पड़ी। इन विफलताओं ने भारत के स्काईस्ट्राइकर कामिकेज़ ड्रोन और स्कैल्प क्रूज मिसाइलों का मुकाबला करने में पाकिस्तान की तकनीकी हीनता को उजागर किया, जिसमें चीन भी शामिल है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया तथा सात मई को भारत ने पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकवादीढांचे पर सटीक हमले किए। सरकार ने बजट बनाने की प्रक्रिया के दौरान रक्षा व्यय में 18 प्रतिशत की वृद्धि का समर्थन किया था। चालू वित्त वर्ष 2024–25 में सरकार ने रक्षा खर्च के लिए 2,122 अरब रुपये आवंटित किए, जो वित्त वर्ष 2023–24 के लिए बजटीय आवंटन 1,804 अरब रुपये से 14.98 प्रतिशत अधिक है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।